RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-12 अंक:196 ता. 21 जनवरी 2024, रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

शबरी सवारे रास्ता आएंगे राम जी... पीएम मोदी ने शेयर किया 'भावुक प्रसंग'; मैथिली ठाकुर ने गाया

- ये पहला मौका नहीं है जब पीएम ने भगवान राम पर कोई भजन शेयर किया है। इससे पहले उन्होंने बिहार की ही गायिका स्वस्ति का एक बेहद लोकप्रिय गीत राम आएंगे... शेयर किया था।

नई दिल्ली। अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर दिन कुछ मधुर भजन शेयर कर रहे हैं। इस बार उन्होंने माता शबरी का एक बेहद भावुक प्रसंग शेयर किया है। ये भावुक प्रसंग बिहार की गायिका मैथिली ठाकुर ने गाया है। 20 नवंबर 2023 को मैथिली के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया भजन शबरी सवारे रास्ता आयेंगे राम जी% भगवान राम के इंतजार में बैठीं माता शबरी की कहानी बताता है।

भजन का लिंक शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर देशभर के मेरे परिवारजनों को प्रभु श्री राम के जीवन और आदर्शों से जुड़े एक-एक प्रसंग का स्मरण करा रहा है। ऐसा ही एक भावुक प्रसंग शबरी से जुड़ा है। सुनिए, मैथिली ठाकुर जी ने किस तरह से इसे अपने

भजन का लिंक शेयर करते हुए पीएम मोदी ने लिखा, अयोध्या में प्राण-प्रतिष्ठा का अवसर देशभर के मेरे परिवारजनों को प्रभु श्री राम के जीवन और आदर्शों से जुड़े एक-एक प्रसंग का स्मरण करा रहा है। ऐसा ही एक भावुक प्रसंग शबरी से जुड़ा है।

सुमधुर सुरों में पिरोया है।

ये पहला मौका नहीं है जब पीएम ने भगवान राम पर कोई भजन शेयर किया है। इससे पहले उन्होंने बिहार की ही गायिका स्वस्ति का एक बेहद लोकप्रिय गीत राम आएंगे... शेयर किया था। जिसके बाद ये गीत हर किसी के दिलों में घर कर गया। स्वस्ति का ये राम भजन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिल को भी छू गया। उन्होंने भजन शेयर करते हुए लिखा था, ÷स्वस्ति जी का ये भजन एक बार सुन लें तो लंबे समय तक कानों में गूंजता रहता है। आंखों को आंसुओं से, मन को भावों से भर देता है। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर के 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह से पहले 11 दिनों से अपनी विशेष धार्मिक परंपरा के तहत फर्श पर कंबल के ऊपर सो रहे हैं और केवल नारियल पानी पी रहे हैं। उन्होंने बताया कि मोदी 'गौपूजा' कर रहे हैं और गौसेवा कर रहे हैं। इसके अलावा वह अन्नदान सहित अन्य चीजें भी दान कर रहे हैं। और साथ ही शास्त्रों के अनुसार वह वस्त्र भी दान कर रहे हैं।''

श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठाः प्रदेश में मनेगा दीपोत्सव, ड्राई डे और मीट की दुकानें रहेंगी बंद

जयपुर। राज्य सरकार के निर्देशानुसार अयोध्या में श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन बाईस जनवरी को दीपोत्सव के साथ अन्य विशेष कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किए जाएंगे मनाया जाना है। इस संबंध में स्वायत्त शायन विभाग ने अधीनस्थ समस्त नगरीय निकायों, संस्थाओं एवं कार्यालयों निर्देश जारी किए हैं। इसके अलावा बाईस जनवरी को श्री रामलला के अवसर पर आधे दिन के अवकाश की घोषणा के साथ प्रदेशभर में ड्राई डे रहेगा और बूचडखाने, मीट मछली की दुकानें बंद रहेंगी।

फ्रांस के राष्ट्रपति की 25 जनवरी को प्रस्तावित यात्रा, स्वागत की विशेष तैयारियां

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन के आगामी 25 जनवरी को जयपुर में प्रस्तावित आगमन की तैयारियों हेतु उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति के स्वागत की सभी तैयारियां समयबद्ध रूप से पूरी कर ली जाए। उन्होंने अधिकारियों को श्री मैक्रॉन के आवास, सुरक्षा, परिवहन, खानपान, पर्यटन सहित सभी जरूरतों का विशेष ध्यान रखने के लिए दिशा-निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि इमैनुएल मैक्रॉन के जयपुर एयरपोर्ट से लेकर आवास, पर्यटन स्थलों सहित सभी वीआईपी मार्गों पर आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाए, साथ ही विभिन्न स्थानों पर राजस्थान की कला व संस्कृति से सम्बंधित होर्डिंग्स् भी लगाए जाएं। बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू. आर. साहू, अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह आनन्द कुमार, प्रमुख शासन सचिव सामान्य प्रशासन विभाग दिनेश कुमार, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन गायत्री ए. राठौड, प्रमुख शासन सचिव नगरीय विकास एवं आवासन टी. रविकान्त, जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित, पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ के. एवं आयुक्त जयपुर विकास प्राधिकरण श्रीमती मंजू राजपाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नीतीश की नई टीम से ललन सिंह आउट, वशिष्ठ नारायण जेडीयू उपाध्यक्ष बनाए गए

पटना। जेडीयू की कमान संभलाने बाद नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर अपनी नई टीम का गठन कर दिया है। जिसमें पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को जगह नहीं मिली है। नीतीश की नई टीम में बड़ी जिम्मेदारी पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के तौर पर सौंपी गई है। जबकि पूर्व सांसद केसी त्यागी को राजनीतिक सलाहकार के साथ राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया है. वहीं आलोक कुमार सुमन को फिर से जेडीयू का कोषाध्यक्ष नामित किया गया है। वहीं राष्ट्रीय महासचिव की लिस्ट में कई नाम शामिल हैं। जिसमें मंत्री संजय झा, राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर, अली अशरफ फातमी, मगंनी लाल मंडल, आफाक अहमद, भगवान सिंह कुशवाहा, कहकशा परवीन, रामसेवक सिंह, कपिल हरिश्चंद्र, इंजीनियर सुनील और राज सिंह मान शामिल हैं। वहीं राष्ट्रीय सचिव की लिस्ट में राजीव रंजन प्रसाद, विद्या सागर निषाद, अनूप पटेल, दयानंद राय, संजय कुमार और मोहम्मद निसार को जगदह मिली है। जबकि पूर्व विधायक राजीब रंजन को जेडीयू का राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। आपको बता दें। बीते साल दिसंबर के आखिर में सीएम नीतीश कुमार ने जेडीयू की कमान अपने हाथों में ली थी। और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन ने अपने संसदीय क्षेत्र में व्यस्तता के चलते अध्यक्ष पद से इस्तीफा दिया था। और कहा था कि पार्टी के अध्यक्ष होने के चलते वो अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा नहीं कर पा रहे है। और पार्टी की जिम्मेदारी होने के चलते काम का दवाब ज्यादा हो गया है। लेकिन जदयू कार्यकारिणी की नई लिस्ट में ललन सिहं का नाम होने से एक बार फिर चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। क्या ललन सिहं को पार्टी से साइड लाइन कर दिया गया है।

महाराष्ट्र में भी 22 जनवरी को छुट्टी

आठ राज्यों में कर्मचारियों को मिला रामलला के स्वागत का मौका

मुंबई। अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन महाराष्ट्र सरकार ने भी छुट्टी का ऐलान किया है। एकनाथ शिंदे सरकार ने ऐलान किया है कि 22 जनवरी को महाराष्ट्र में श्री रामलला प्राण-प्रतिष्ठा दिवस मनाया जाएगा, इसके लिए एक दिन की छुट्टी की घोषणा की गई है। महाराष्ट्र के अलावा आठ अन्य राज्यों ने भी इस दिन छुट्टी ऐलान किया गया है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, गोवा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों ने अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दिन अवकाश की घोषणा की है। वहीं केंद्र सरकार ने भी इस दिन आधे की दिन की छुट्टी का ऐलान किया है। महाराष्ट्र में 22 जनवरी को छुट्टी की घोषणा करते हुए राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है, 2024 के लिए राज्य सरकार 22 जनवरी को एक दिवसीय सार्वजनिक दिवस श्री राम लला प्राण-प्रतिष्ठा दिवस घोषित कर रही है। यह आदेश राज्य सरकार

के सभी कार्यालयों और उपक्रमों पर लागू होगा।÷

इन 8 राज्यों में भी रहेगी 22 जनवरी को छुट्टी

उत्तर प्रदेश- 22 जनवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशानुसार राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर उत्तर प्रदेश में शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। साथ ही उस दिन पूरे राज्य में शराब की दुकानें भी बंद रहेंगी।

मध्य प्रदेश- मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 22 जनवरी को स्कूल की छुट्टी घोषित की है। लोगों को इस दिन को त्योहार की तरह मनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा जा रहा है। मोहन यादव ने शराब और भांग की दुकानों को बंद रखने का आदेश जारी करते हुए 22 जनवरी को राज्य में ड्राई डे की भी घोषणा की है। उन्होंने कहा, जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए हमने निर्णय लिया है कि 22 जनवरी को राज्य में ड्राई डे रहेगा। शराब और भांग की दुकानें बंद रहेंगी।

गोवा- लाइव मिंट की रिपोर्ट के अनुसार गोवा सरकार ने भी 22 जनवरी को अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में %प्राण प्रतिष्ठा% समारोह के मद्देनजर सरकारी कर्मचारियों और स्कूलों के लिए छुट्टी की घोषणा की है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा, ÷स्कूलों के साथ-साथ केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए सार्वजनिक अवकाश होगा।

कश्मीरी बर्फ रहित सर्दी से डरे हुए हैं, गर्मियों में आपदा की आशंका!

श्रीनगर। भले ही कठोर सर्दी की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां कहा जाता है, शनिवार से 10 दिनों से भी कम समय में समाप्त हो रही है, लेकिन कश्मीरी बर्फ रहित सर्दी से डरे हुए हैं जो गर्मियों के महीनों में आपदा का कारण बनेगी।

मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, हम 26 जनवरी से अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन अभी तक, जम्मू-कश्मीर के पास कोई बड़ा पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया है। श्रीनगर में आज (शनिवार को) न्यूनतम तापमान माइनस 3.7, गुलमर्ग में माइनस 4.6 और पहलगाम में माइनस 5.5 रहा। जबकि लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 13, कारगिल में माइनस 10.8 और द्रास में माइनस 12.8 रहा। जम्मू शहर में रात का न्यूनतम तापमान 5.9, कटरा में 4.6, बटोत में 1.9, भद्रवाह में माइनस 0.4 और बनिहाल में माइनस 1.4 रहा।

हिंदू सेना ने दिल्ली में बाबर रोड साइन बोर्ड को 'अयोध्या मार्ग' किया

नई दिल्ली। अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से ठीक दो दिन पहले दक्षिणपंथी संगठन हिंदू सेना के सदस्यों ने शनिवार को दिल्ली के बंगाली मार्केट के पास बाबर रोड के साइन बोर्ड को बदलकर अयोध्या मार्ग कर दिया।

कार्यकर्ताओं ने उस पर अयोध्या मार्ग÷ नाम वाला एक पोस्टर चिपका दिया, जिससे सड़क का नाम बदलने की मांग पर बहस की एक नई लहर छिड़ गई।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि उन्हें घटना के संबंध में कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। हालांकि, नागरिक एजेंसियों ने खुलासा किया कि उन्होंने साइन बोर्ड से पोस्टर हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

इससे पहले 8 जनवरी को हिंदू सेना ने

नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) को एक पत्र सौंपकर औपचारिक रूप से बाबर रोड का नाम बदलकर अयोध्या मार्ग करने का अनुरोध किया था।

संगठन के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के पत्र में मुगल सम्राट बाबर पर भारत के लोगों पर अत्याचार करने का आरोप लगाया गया।

नगर निकाय को संबोधित पत्र में गुप्ता ने कहा था, जिहादी बाबर ने भारत के लोगों पर अत्याचार किया और जबरन हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराया, हमारे मठों और मंदिरों को ध्वस्त कर दिया और उन पर जबरन मस्जिदें बनाईं। संगठन ने कहा था, वर्तमान सड़क का नाम बहुसंख्यकों की सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाओं के विपरीत कार्यों से जुड़े एक व्यक्ति का महिमामंडन करता है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा को लेकर हाईवे पर रूट डायवर्जन शुरू, अयोध्या में बिना अनुमति वाहनों की एंट्री बंद

अयोध्या। 22 जनवरी को भगवान राम मंदिर के उदघाटन और प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित देश भर से हजारों विशिष्ट अतिथियों का आगमन हो रहा है। एटीएस के कमांडो सहित रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) ने मोर्चा संभाल लिया है। नगर के पुलिस अधिकारी होटल और धर्मशाला में जाकर रुके हुए लोगों से घर जाने की गुजारिश कर रहे है। धर्मपथ और रामपथ के दोनों तरफ बल्लियों से बैरिकेडिंग की जा रही है। हाईवे पर भारी वाहनों का रूट डायवर्जन शुरू कर दिया गया है। कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और दूसरी तरफ गोंडा, बस्ती और गोरखपुर से आने वाले वाहनों को अन्यत्र जगह से जाने की अनुमति दी जा रही है। सबसे ज्यादा बैरिकेडिंग लखनऊ से अयोध्या के बीच की गई है। सूत्रों की माने तो 20 तारीख की सुबह से ही वाहनों का प्रवेश बंद हो गया है।

एटीएस के पांच सौ से अधिक जवानों ने संभाला मोर्चा

प्राण प्रतिष्ठा के समय प्रधानमंत्री का सुरक्षा घेरा मजबूत करते हुए सुरक्षा में एटीएस के व एसपीजी के जवानों को उतार दिया गया है। एटीएस के पांच सौ से अधिक कमांडो व एसपीजी के 35 जवान राममंदिर में डेरा डाल चुके हैं। वहीं एसपीजी के एक दर्जन जवानों ने एयरपोर्ट पर भी शुक्रवार को अपनी पोजिशन ले ली है। कुछ अन्य स्थाानों पर भी जवानों ने अपनी जिम्मेदारी ले ली है। शुक्रवार को एटीएस के कमांडो ने उदया चौराहा से लेकर नयाघाट रिहर्सल भी किया है।

श्रद्धालुओं को सुगम यात्रा सुनिश्चित कराएं

रेलवे बोर्ड के सदस्य (इंफ्रास्ट्रक्चर) ब्रज मोहन अग्रवाल एंव मण्डल रेल प्रबंधक एसएम शर्मा व अन्य अफसरों ने विंडो ट्रेलिंग करते हुए लखनऊ-अयोध्या रेलखंड की संरक्षा एवं दोहरीकरण कार्य को परखा एवं अयोध्या परिक्षेत्र के स्टेशनों का निरीक्षण किया। रामलला प्राण प्रतिष्ठा के मद्देनजर श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने पर सुगम यात्रा के लिए कराए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने यात्री प्रबंधन, गाड़ी परिचालन और यात्री सुविधाओं से की चाक- चौबंद व्यवस्था के निर्देश दिए।

शुक्रवार को निरीक्षण करने पहुंचे रेलवे बोर्ड के सदस्य अग्रवाल ने सालारपुर एवं दर्शननगर स्टेशन पर संरचनात्मक कार्यों एवं स्टेशन पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। अयोध्या कैंट पर नवनिर्मित वाशिंग लाइन के निर्माण, अन्य विकास कार्यों का अवलोकन किया तथा अयोध्या धाम जंक्शन स्टेशन पर यात्री प्रबंधन की नीतियों तथा यात्री हित संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधिकारियों से स्टेशन पर सभी कार्यों को निर्धारित समय पर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता (निर्माण) सुरेश कुमार सपरा, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रेखा शर्मा व अन्य आधिकारी मौजूद रहे।

1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से पहुंचा अयोध्या, प्रतिमा को लेकर जांच की मांग

अयोध्या । अयोध्या में जहां अनुष्ठान के पांचवे दिन 1265 किलो का लड्डू हैदराबाद से बनकर पहुंच गया है, वहीं रामलला की प्रतिमा को लेकर जांच की मांग की जा रही है। दरअसल जिस प्रतिमा का चित्र वायरल हुआ है, उसमें आंखों पर पट्टी नहीं है, लेकिन मंदिर में अभी प्रतिमा का अनावरण ही नहीं हुआ है, ऐसे में यह तस्वीर कैसे वायरल हो रही है। भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए हैदराबाद से 1265 किलो का लड्डू का प्रसाद अयोध्या पहुंचा है। इस लड्डू को तैयार करने वाले श्रीराम केटरिंग सर्विस के एन नागाभूषणम ने कहा कि भगवान ने मेरे परिवार और व्यापार को आशीर्वाद दिया है। मैंने प्रतिज्ञा की थी कि जब तक मैं जीवित हूं, प्रत्येक दिन एक किलो लड्डू बनाऊंगा। उन्होंने कहा कि मैं भोजन प्रमाणपत्र भी लाया हूं। ये लड्डू एक महीने तक चल सकते हैं। 25 लोगों ने 3 दिन तक लड्डू तैयार किए। मिली जानकारी के मुताबिक भव्य राम मंदिर में 7 दिनों तक चलने वाले धार्मिक अनुष्ठान का आज 5वां दिन है। राम मंदिर गर्भग्रह में रामलला की मूर्ति को बुधवार को स्थापित कर दिया गया।

रामलला प्रतिमा को लेकर भी जांच की मांग उठ रही है। दरअसल बीते शुक्रवार 19 जनवरी से ही रामलला की प्रतिमा की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वायरल तस्वीर में रामलला की आंखों पर पट्टी बंधी हुई है। इसके अलावा जो तस्वीरें वायरल हो रही हैं उसमें प्रतिमा की आंखों पर पट्टी नहीं बंधी है। इसे लेकर ही जांच की मांग की जा रही है। इस बात को लेकर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने से पहले भगवान राम की मूर्ति की आंखें नहीं खोली जा सकतीं। जिस मूर्ति में भगवान राम की आंखें दिखाई दे रही है, वह असली मूर्ति नहीं है। वहीं लोगों का कहना है ?कि अगर आंखें देखी जा सकती हैं तो आंखें किसने दिखाईं और मूर्ति की तस्वीरें कैसे वायरल होने की भी जांच होनी चाहिए।

शिरोमणि अकाली दल की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी से शुरु होगी

चंडीगढ़ । शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की पंजाब बचाओ यात्रा 1 फरवरी को अटारी में भारत-पाक सीमा से शुरू होकर एक महीने के दौरान राज्य के 43 इलाकों को कवर करेगी। पार्टी अध्यक्ष सुखबीर बादल अकाल तख्त साहिब पर माथा टेकने के बाद पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ यात्रा की अगुवाई करने वाले हैं। पार्टी मुख्यालय में शिअद के सीनियर नेता डॉ. दलजीत चीमा ने कहा कि यह यात्रा कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) दोनों को उजागर करेगी और राज्य के विकास में लगातार अकाली सरकारों का योगदान भी प्रदर्शित करेगी। उन्होंने कहा, पिछली कांग्रेस और वर्तमान आप सरकार दोनों ने विकास, रोजगार, किसानों, व्यापारियों और समाज के कमजोर वर्गों की स्थिति में सुधार करने में नाकाम रहने के अलावा सभी वादों से मुकर कर पंजाबियों को धोखा दिया है। 1 फरवरी को अटारी और राजा सांसी, 2 फरवरी को अजनाला और मजीठिया, 5 फरवरी को अमृतसर शहर के 5 इलाके, 6 फरवरी को जंडियाला गुरु और बाबा बकाला, 7 फरवरी को खडूर साहिब और तरनतारन, 8 फरवरी को पट्टी और खेमकरण, 9 फरवरी ज़ीरा और फिरोजपुर शहर, 12 फरवरी को फिरोजपुर ग्रामीण और फरीदकोट, 13 फरवरी कोटकपुरा और जैतों, 14 फरवरी को गिद्दड़बाहा और मुक्तसर, 15 फरवरी को गुरुहरसहाय और जलालाबाद, 16 फरवरी को फाजिल्का और अबोहर, 19 फरवरी को बल्लुआणा और मलोट, 20 फरवरी को लंबी और बठिंडा ग्रामीण, 21 फरवरी को भूच्चों मंडी और बठिंडा शहरी, 22 फरवरी को बाघापुराना और निहालसिंह वालां, 23 फरवरी को धर्मकोट और मोगा, 26 फरवरी को रामपुरा और मौड़ मंडी, 27 फरवरी को बुढ़लाडा और मानसा, 28 फरवरी को सर्दुलगढ़ और तलवंडी साबो में जाकर खत्म होगी।

ईडी ने सटोरिया लोकेश की आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली । मध्यप्रदेश से इनदिनों बड़ी खबर सामने आई है। इंदौर सहित भोपाल और महू जिले में ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। ईडी की टीम ने ऑनलाइन सटोरिया की लगभग आठ करोड़ की संपत्ति कुर्क कर ली है। महू के सटोरियों लोकेश ऊर्फ राजा वर्मा पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। आठ करोड़ से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। ईडी ने इंदौर, महू और भोपाल के 10 से अधिक मकान और बैंक खातों को सील किया है। बताया जाता है कि ऑनलाइन सट्टा खिलाकर करोड़ों की अवैध संपत्ति बनाई थी। बीते 27 अक्टूबर को लोकेश के ठिकानों पर ईडी ने बड़ी कार्रवाई की थी। उसके बाद शनिवार को संपत्ति कुर्क की कार्रवाई को अंजाम दिया गया है। ईडी की कार्रवाई से शहर में हड़कंप की स्थिति है। ईडी के मुताबिक, यह व्यक्ति मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। ईडी ने कहा कि लोकेश वर्मा उर्फ राजा वर्मा की दस अचल संपत्तियों और 5 बैंक खातों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत कुर्क किया गया है। इसमें कहा गया है कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य 8.89 करोड़ रुपये है। एजेंसी ने कहा कि अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी एप जैसे 'धनगेम्स' और 'सट्टा मटका' मध्य प्रदेश, कर्नाटक और देश के अन्य हिस्सों में लोगों को ''लुभाने'' के लिए संचालित किए जा रहे थे।

घाटी में नहीं हुई बर्फबारी, भीषण गर्मी को लेकर दहशत में लोग

श्रीनगर । भले ही कठोर सर्दी की 40 दिनों की लंबी अवधि जिसे चिल्लई कलां कहा जाता है, शनिवार से कम समय में समाप्त हो रही है, लेकिन कश्मीरी बर्फ रहित सर्दी से डरे हुए हैं जो गर्मियों के महीनों में आपदा का कारण बनेगी। मौसम विभाग के अधिकारी ने कहा, हम 26 जनवरी से अलग-अलग स्थानों पर हल्की बर्फबारी की उम्मीद कर रहे हैं। लेकिन अभी तक, जम्मू-कश्मीर के पास कोई बड़ा पश्चिमी विक्षोभ नहीं आया है। श्रीनगर में शनिवार को न्यूनतम तापमान माइनस 3.7, गुलमर्ग में माइनस 4.6 और पहलगाम में माइनस 5.5 रहा। जबकि लद्दाख क्षेत्र के लेह शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 13, कारगिल में माइनस 10.8 और द्रास में माइनस 12.8 रहा। जम्मू शहर में रात का न्यूनतम तापमान 5.9, कटरा में 4.6, बटोत में 1.9, भद्रवाह में माइनस 0.4 और बनिहाल में माइनस 1.4 रहा।

कुत्ते के आतंक से परेशान दिल्लीवासी, दादा की गोद से मासूम को छीन लिया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और एनसीआर के रिहायशी इलाकों में इन दिनों कुत्तों का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। यहां एक दादा की गोद से मासूम को छीन कर नोचने की खबर ने सभी को विचलित कर दिया है। बता दें कि एक हफ्ते में दिल्ली से कुत्ते के काटने का दूसरा मामला सामने आया है। ताजा मामला बुराड़ी इलाके का है, जहां एक पिटबुल प्रजाति के कुत्ते ने डेढ़ साल की एक बच्ची को दादा की गोद से छीनकर बुरी तरह से काट लिया। बच्ची के पैर में तीन जगह फ्रैक्चर हुए हैं। साथ ही कई जगहों पर टांके भी लगाए गए हैं। वह तो गनीमत रही कि कि कुछ लोग वहां मौजूद थे। जिन्होंने बड़ी मुश्किल से बच्ची को कुत्ते के जबड़े से छुड़ाया। बुराड़ी इलाके की उत्तराखंड कॉलोनी में घटी इस घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। घटना 2 जनवरी की है, पिटबुल के जानलेवा हमले में बच्ची बुरी तरह से घायल हो गई। वो 17 दिनों तक अस्पताल में रही हैं। इस घटना के बाद से इलाके के लोग दहशत के माहौल में हैं। परिजनों ने इस मामले की जानकारी बुराड़ी थाना पुलिस को भी दी हैं। सीसीटीवी फुटेज भी दिखाया गया, बावजूद इसके पुलिस ने अब तक कोई कार्रवाई नहीं की। उनका आरोप है कि पुलिस ने उन्हें मामला दर्ज कराने की बजाय कंप्रोमाइज करने के लिए दबाव बनाया। अभी तक इस बाबत ना तो पिटबुल कुत्ते को यहां से हटाया गया और ना ही उसके मालिक पर पु ?लिस द्वारा कोई कार्रवाई की गई। जबकि इससे पहले 16 जनवरी को रोहिणी के सेक्टर-25 इलाके में पड़ोसी के कुत्ते ने सात वर्षीय बच्ची पर हमला कर दिया। इस घटना में बच्ची को 15 से अधिक जगहों पर चोटें आईं। घटना नौ जनवरी को उस वक्त हुई जब एक अमेरिकन बुली नस्ल के कुत्ते ने कथित तौर पर बच्ची पर हमला कर दिया। घटना के वक्त बच्ची अपनी हाउसिंग सोसायटी के अंदर दोस्तों के साथ खेल रही थी। पशु अधिकार समूह पेटा ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर कुत्तों की पिटबुल और इसी तरह की अन्य नस्लों के पालने पर रोक लगाने की मांग की है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में तीन साल में नक्सलवाद से मुक्त होगा देश : शाह

तेजपुर(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा तेजपुर में एसएसबी परिसर में सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस में शामिल हुए। इस मौके पर शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले 9 वर्षों में सभी सीएपीएफ, चाहे वह सीआरपीएफ हो या सीमा पर तैनात अन्य सभी संगठनों की सुविधाओं के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारत-चीन युद्ध के बाद 1963 में एसएसबी की स्थापना हुई और अटल जी ने जब वन बॉर्डर वन फोर्स की नीति लागू की, तब से एसएसबी बल 2001 से भारत-नेपाल सीमा और 2004 से भारत-भूटान सीमा की कर्तव्यनिष्ठा से रक्षा कर रहा है।

शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश अगले तीन साल में नक्सलवाद की समस्या से मुक्त होगा। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा, मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अगले तीन वर्षों में देश नक्सलवाद की समस्या से पूरी तरह छुटकारा पा लेगा। नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में एसएसबी की बहादुरी की सराहना कर शाह ने कहा कि सीआरपीएफ और बीएसएफ के साथ मिलकर एसएसबी ने नक्सली आंदोलन को खत्म कर दिया है।

शाह ने कहा कि मित्र देशों नेपाल और भूटान की सीमा की रक्षा के साथ-साथ एसएसबी ने छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार में नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। मैं जब भी इन इलाकों में नक्सल ऑपरेशन की समीक्षा के लिए गया हूं, तब आपकी बहादुरी के बारे में सुना है। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म करने में एसएसबी की भूमिका पर शाह ने कहा जम्मू-कश्मीर में एसएसबी ने सीआरपीएफ, बीएसएफ, जम्मू-कश्मीर पुलिस और भारतीय सेना के साथ मिलकर आतंकवादियों के खिलाफ लड़ते हुए अपने प्राणों की आहुति दी है।

उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल के 60वें स्थापना दिवस के मौके पर आज भारत सरकार ने एक डाक टिकट भी जारी किया। यह एसएसबी की कर्तव्य निष्ठा को देश के लोगों के सामने सदैव जीवित रखेगा। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) समेत सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) और अन्य संगठनों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को आप ने किया खारिज, बढ़ेगी खरीद-फरोख्त की बुराइयां

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा का विरोध कर कहा है, कि एक साथ चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार को नुकसान पहुंचाएंगे, क्योंकि इससे सक्रिय रूप से दल-बदल विरोधी और विधायकों और सांसदों की खुली खरीद-फरोख्त की बुराइयों को बढ़ावा देगा। एक राष्ट्र, एक चुनाव नितेन चंद्रा को लिखे पत्र में, आप के राष्ट्रीय सचिव पंकज गुप्ता ने कहा कि ओएनओई के कार्यान्वयन के साथ, संघ स्तर पर सत्तारूढ़ पार्टी को क्षेत्रीय पार्टियों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाली अन्य पार्टियों पर अनुचित लाभ मिलता है। एक राष्ट्र, एक चुनाव संसदीय लोकतंत्र के विचार, संविधान की मूल संरचना और देश की संघीय राजनीति को नुकसान पहुंचाएगा। आप ने कहा है कि संकीर्ण वित्तीय लाभ और प्रशासनिक सुविधा के लिए संविधान और लोकतंत्र के सिद्धांतों का बलिदान नहीं किया जा सकता है। सीएम केजरीवाल ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से जो लागत बचाने की कोशिश की जा रही है, वह भारत सरकार के वार्षिक बजट का मात्र 0.1 प्रतिशत है। आप नेता गुप्ता ने कहा कि एक साथ चुनाव कराने से भारतीय बहुदलीय प्रणाली पर हानिकारक प्रभाव पड़ेगा, जहां कई पार्टियां उन लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करने के लिए उभरी हैं जो मुख्यधारा से दूर थे। उन्होंने कहा कि आप का मानना है कि ओएनओई राष्ट्रीय एजेंडे के लिए खतरा है और बदले में, संघ स्तर पर शासन करने वाली पार्टी को क्षेत्रीय दलों और राज्यों में केंद्र-सत्तारूढ़ पार्टी से लड़ने वाले अन्य दलों पर अनुचित लाभ मिलता है।

अयोध्या राम मंदिर निर्माण में एक पैसा भी सरकार ने नहीं लगाया : सीएम योगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उप्र के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है ?कि अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में सरकार का एक पैसा भी नहीं लगा है। उन्होंने कहा कि मंदिर निर्माण में जो कुछ भी लगा वो रामभक्तों ने ही दिया है। बता दें कि इस समय पूरा देश भगवान राम की भक्ती में डूब चुका है। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर में सरकार ने कितना चंदा दिया है, इसे लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने यह स्पष्ट किया है कि राम मंदिर निर्माण के लिए धनराशी कहां से आई है। सीएम योगी आदित्यानाथ ने अपने एक इंटरव्यू का वीडियो अपने ट्विटर हैंडल से पोस्ट किया है। इस वीडियो में सीएम योगी कह रहे हैं कि 'कारसेवकों ने बलिदान दिया। इसके लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मार्गदर्शन था, विश्व हिंदू परिषद का नेतृत्व था और पूज्य संतों का आशीर्वाद था। उस आंदोलन से रामजन्मभूमि में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो रहा है। इसमें एक पाई भी सरकार ने नहीं दिया है। एक पैसा ना केंद्र की सरकार ने ही दिया और ना ही राज्य की सरकार ने लगया।

सीएम योगी ने कहा कि ये सारा का सारा पैसा रामभक्तों ने देश भर से दिया है, दुनिया भर से दिया गया है।' उन्होंने बताया कि सरकार राम मंदिर के बाहर के इंफ्रास्ट्रक्चर, जैसे रेलवे स्टेशन का काम, एयरपोर्ट का निर्माण, गेस्ट हाउस बनाने का काम, क्रूज सेवा, सड़क का चौड़ीकरण, पार्किंग की सुविधा जैसे कामों पर पैसा खर्च कर रही है।' उन्होंने कहा कि 'ये सब काम सरकार की पॉलिसी के तहत हो रहा है।' गौरतलब है कि देशभर से राम मंदिर को लोग दिल खोल कर चंदा दे रहे हैं। मंदिर में भी खूब चढ़ावा आ रहा है। यहां रोजाना तीन से चार लाख रुपए दान में आ रहा है। पूरे महीने में यह रकम डेढ़ से दो करोड़ रुपए तक पहुंच रही है। जब?कि ऑनलाइन दान का अभी तक कोई हिसाब किताब नहीं किया गया है।

नीतिश ने बनाई जदयू की नई टीम, ललन सिंह के करीबियों को किया बाहर

पटना(एजेंसी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जनता दल यूनाइटेड का अध्यक्ष बनने के बाद अपनी नई टीम बनाई है। इसमें ललन सिंह के करीबियों की टीम की छुट्टी कर दी गई है। कई नाम हैं सूची में नहीं हैं, जिन्हें ललन ने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में बड़ी जिम्मेदारी दी थी।

जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश ने जिन पार्टी पदाधिकारियों नियुक्ति की है, इसमें वशिष्ठ नारायण सिंह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। के सी त्यागी राजनीतिक सलाहकार और प्रवक्ता बने हैं। गोपालगंज के सांसद आलोक कुमार सुमन कोषाध्यक्ष बने हैं।

साथ ही जदयू के नए राष्ट्रीय महासचिवों की सूची भी जारी की गई है। इनमें रामनाथ ठाकुर, मंगनी लाल मंडल, संजय झा, मोहम्मद अली अशरफ फातमी, आफाक अहमद, श्रीभगवान सिंह कुशवाहा, रामसेवक सिंह, कहकशां परवीन, कपिल हरिश्चंद्र पाटिल, राज सिंह मान, इंजीनियर सुनील कुमार और पूर्व विधायक राजीव रंजन का नाम शामिल हैं। राजीव रंजन पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया हैं।

बता दें कि ललन के करीबी हर्षवर्धन सिंह को बाहर कर दिया गया है। इसके अलावा रामप्रीत मंडल, गिरधारी यादव, संतोष कुशवाहा, चंदेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, दसई चौधरी, मोहम्मद गुलाम रसूल वालियावी, विजय कुमार मांझी, रामकुमार शर्मा, धनंजय सिंह और कमर आलम राष्ट्रीय महासचिव के पद से हटा दिया गया है।

बता दें कि पिछली बार ललन के कार्यकाल में जेडीयू के 22 राष्ट्रीय महासचिव थे, लेकिन इस बार केवल 10 महासचिव बनाए गए हैं। राष्ट्रीय सचिवों के नाम भी जारी किए गए हैं। इसमें विद्या सागर निषाद, राजीव रंजन प्रसाद, अनूप पटेल, दयानंद राय, संजय कुमार, मो. निसार का नाम शामिल है।

हेमा मालिनी ने दी प्रस्तुति, तस्वीरें वायरल

अयोध्या (एजेंसी)। इन दिनो पूरा देश राममय है। जगह जगह धार्मिक आयोजन हो रहे हैं। हिंदी सिनेमा की अदाकारा हेमा मालिनी ने अयोध्या पहुंचकर मां सीता का रूप धारण कर खूबसूरत प्रस्तुति दी। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या में रामायण का आयोजन हुआ। ये आयोजन रामभद्राचार्य के 75वें जन्मदिन के मौके पर हुआ, जिसमें हेमा मालिनी मां सीता बनीं। इसकी तस्वीरें हेमा मालिनी ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए खुशी जाहिर की है। तस्वीरों के साथ उन्होंने लिखा, ÷तुलसी पीठाधीश्वर (चित्रकूट जगत गुरु) श्री रामभद्राचार्य जी ने 17 जनवरी को अपना 75वां जन्मदिन अमृत महोत्सव के रूप में अयोध्या में मनाया। मुझे रामायण करने का सौभाग्य मिला, जिसमें मैंने राम की सीता की भूमिका निभाई।÷ हेमा मालिनी ने बताया था कि वह पहली बार अयोध्या आई हैं। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा था, ÷राम की नगरी में पहुंची हूं और इसके लिए मैं खुद को सौभाग्यशाली समझती हूं।

हेमा मालिनी एक बेहतरीन क्लासिकल डांसर हैं और वह अक्सर अपने हुनर का प्रमाण देती रहती हैं। लेकिन पहली बार उन्होंने रामायण का ये अहम किरदार निभाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया।गौरतलब है कि इससे पहले हेमा मालिनी ने इससे पहले नवंबर 2023 में मथुरा में मीराबाई के 525वें जन्मोस्तव में भी परफॉर्म किया था। उन्होंने मीराबाई पर आधारित नाटक में हिस्सा लेकर उस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। दो दिन में अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होने वाली है और हेमा मालिनी ही नहीं फिल्म जगत के तमाम सितारे इस मौके पर वहां पहुंचने वाले हैं। अमिताभ बच्चन से लेकर माधुरी दीक्षित समेत कई एक्टर्स को इसका न्योता मिला है।

दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना होगा कि एंटीबायोटिक दवा क्यों लिखी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने देश की सेहत और तमाम अनुसंधानों के बाद निर्णय लिया है कि एंटीबायोटिक दवा लिखने वाले डॉक्टर को बताना चाहिए इसकी जरुरत क्या है,और क्यों इसे दिया जा रहा है। इसके साथ ही बीमारी के लक्षण भी डॉक्टर को बताना होंगें। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी चिकित्सकों से आग्रह किया है कि वे इसमें सहयोग करें और मरीजों इससे जुड़ी जानकारी दें। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने सभी दवा विक्रेताओं से औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियमों की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करने और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना पर्चे के होने वाली बिक्री बंद करने और उन्हें केवल योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचने की अपील की है।गोयल ने एक जनवरी को लिखे पत्र में कहा कि एंटीमाइक्रोबियल (रोगाणुरोधी) दवाओं का दुरुपयोग और अति प्रयोग दवा प्रतिरोधी रोगजनकों के विकास में मुख्य कारकों में से एक है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान के साथ कुछ नई एंटीबायोटिक दवाओं के आने के साथ, विवेकपूर्ण तरीके से एंटीबायोटिक का इस्तेमाल प्रतिरोध को रोकने या देरी करने में एकमात्र विकल्प है।

चिकित्सा कालेजों के सभी डाक्टरों और सभी चिकित्सा संगठनों को संबोधित पत्र में कहा गया है कि रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एएमआर) मानवता के सामने आने वाले शीर्ष वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों में से एक है। यह अनुमान लगाया गया है कि 2019 में वैश्विक स्तर पर 12.7 लाख मौतों के लिए बैक्टीरियल एएमआर सीधे तौर पर जिम्मेदार था और 49.5 लाख मौतें दवा प्रतिरोधी संक्रमण से जुड़ी थीं। यह प्रतिरोधी रोगाणुओं के कारण होने वाले संक्रमण की प्रभावी रोकथाम और उपचार को खतरे में डालता है, जिसके परिणामस्वरूप गंभीर बीमारी होती है और मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। उपचार की विफलता से लंबे समय तक संक्रामकता बनी रहती है। शुरुआत के उपचार के विफल रहने पर बाद के इलाज के लिए दवाओं की लागत भी काफी बढ़ जाती है।पत्र में कहा गया है कि दवा व्रिकेताओं को औषधि और प्रसाधन नियमों की अनुसूची एच और एच1 को लागू करने और केवल वैध नुस्खे पर एंटी बायोटिक बेचने के लिए याद दिलाया जा रहा है। यह अहम है कि डाक्टर एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय नुस्खे पर लक्षण लिखें। इसमें कहा गया कि सभी चिकित्सकों से तत्काल अपील की जाती है कि वे एंटीमाइक्रोबियल लिखते समय लक्षण, कारण, औचित्य लिखना एक अनिवार्य अभ्यास बनाएं।

एएमआर के मामलों को कम करने के लिए एंटीमाइक्रोबियल दवाओं के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के लिए आपके सहयोग की आशा है।भारत में सभी दवा विक्रेता संघों को लिखे पत्र में गोयल ने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम 1945 के तहत, एंटीबायोटिक दवाओं को अनुसूची 'एच' के तहत निर्दिष्ट दवाओं की सूची में शामिल किया गया है, जिन्हें केवल एक पंजीकृत डाक्टर के नुस्खे पर खुदरा रूप से बेचा जाना आवश्यक है। कुछ उच्च गुणवत्ता वाले एंटीबायोटिक एचआइ दवाओं की सूची में शामिल हैं।पत्र में कहा गया है कि देश के सभी दवा विक्रेताओं से तत्काल अपील की जाती है कि वे औषधि एवं प्रसाधन सामग्री नियम की अनुसूची एच और एच1 को सख्ती से लागू करें और एंटीबायोटिक दवाओं की बिना डाक्टर के नुस्खे के बिक्री बंद करें और उन्हें केवल एक योग्य डाक्टर के नुस्खे पर ही बेचें।

एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवान पीएम की सुरक्षा में जुटेंगे

-प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में रहेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी

अयोध्या (एजेंसी)। प्राण प्रतिष्ठा के दिन सुरक्षा के पांच घेरों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रहेंगे। इसके लिए एटीएस के 550 कमांडो व एसपीजी के 35 जवानों ने अयोध्या में डेरा डाल दिया है। बता दें कि पूजन के समय प्रधानमंत्री का सुरक्षा घेरा पांच स्तरीय होगा। इसके लिए अलग-अलग स्तर में सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले अन्य जवान भी रामनगरी में चप्पे-चप्पे की छानबीन में जुटे हैं। इसके लिए शुक्रवार को एटीएस के कमांडो ने उदया चौराहा से लेकर नयाघाट तक पूर्वाभ्यास भी किया है। बता दें कि आगामी 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत तमाम वीवीआईपी का आगमन होगा। इसके लिए सुरक्षा का मजबूत तानाबाना बुना गया है। सिविल पुलिस समेत अलग-अलग एजेंसियों के लगभग 30,000 से अधिक जवान यहां पर पहुंच चुके हैं। इनमें प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर सर्वाधिक फोकस है। इसके लिए पांच स्तरीय अभेद्द सुरक्षा घेरा तैयार किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो प्रधानमंत्री के पास सबसे पहले एसपीजी के बॉडीगार्ड होंगे। यह जवान असॉल्ट राइफल, ऑटोमेटिक गन, 17 एम रिवॉल्वर समेत अन्य आधुनिक असलहों से युक्त होंगे। अगले स्तर में एसपीजी के कमांडो रहेंगे। इसके बाद एनएसजी के खतरनाक ब्लैक कैट कमांडो सुरक्षा का जिम्मा संभालेंगे। इनके साथ ही एटीएस व अन्य कमांडो भी आसपास ही मुस्तैद होंगे। चौथे लेयर में अर्द्धसैनिक बलों के जवान होंगे। जबकि अंतिम लेयर में सुरक्षा का जिम्मा सिविल पुलिस के हाथ में होगा। कार्यक्रम स्थल से लेकर बाहर तक चप्पे-चप्पे पर इन जवानों का पहरा होगा। बता दें कि बिना इनकी अनुमति के प्रधानमंत्री के इर्द-गिर्द परिंदा भी पर नहीं मार सकेगा।

अयोध्या में फुलप्रूफ सुरक्षा घेरे को अमली जामा पहनाने के लिए एसपीजी के 35 जवान आ चुके हैं। लगभग इतने ही और जवानों के पहुंचने की बात कही जा रही है। इसके अलावा एटीएस के 550 कमांडो भी यहां ठहरे हुए हैं। शुक्रवार को यह कमांडो आगे मोटर साइकिल व पीछे-पीछे वाहनों के काफिले के साथ रिहर्सल करते भी नजर आए हैं। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर हाईवे पर भी निगरानी बढ़ाई गई है। 200 मीटर की दूरी पर पुलिस, यातायात व अर्द्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए हैं। जिले में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सघन तलाशी ली जा रही है। आईजी प्रवीण कुमार के अनुसार यहां पर होने वाली हर छोटी मोटी गतिविधि पर नजर रखी जा रही है।

अमेरिका ने म्यूजिक डिप्लोमैसी 2024 की शुरुआत की

वाशिंगटन । अमेरिका ने अपने वार्षिक 'म्यूजिक डिप्लोमैसी 2024' की शुरुआत भारत से की और मशहूर संगीतकार हर्बी हैनकॉक तथा डायने रीव्स नई दिल्ली और मुंबई में प्रस्तुतियां दे रहे हैं। विदेश विभाग ने आधिकारिक घोषणा में कहा कि अमेरिका के दो दिग्गज संगीतकार 'ग्लोबल म्यूजिक डिप्लोमैसी इनीशिएटिव' के तहत 14-24 जनवरी तक भारत में हैं। इसके साथ ही डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर की विरासत की स्मृति में भारत में अमेरिकी मिशन ने हर्बी हैनकॉक, डायने रीव्स और 'हर्बी हैनकॉक इंस्टीट्यूट ऑफ जाज़ परफॉर्मेंस' को नई दिल्ली तथा मुंबई में शिक्षा कार्यक्रमों में प्रस्तुति देने तथा भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। इसका उद्देश्य अमेरिका और भारत के लोगों के बीच शांति को बढ़ावा देना तथा संबंधों को मजबूत बनाना है। भारत में अमेरिका के राजदूत एरिक गार्सेटी ने नई दिल्ली में यूसीएलए समूह के साथ प्रस्तुति दी। वह कॉन्सर्ट पियानोवादक भी हैं। मुंबई में हैनकॉक और रीव्स के साथ भारतीय कलाकार सितारवादक पूर्बायन चटर्जी और तबलावादक स्वरूपा अनंत-सावकर भी प्रस्तुति देने वाले है।

200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा, लेकिन अब जंग के लिए तैयार हो रहा ये देश

लंदन । जिस देश ने विश्व युद्ध में भी हिस्सा नहीं लिया। पिछले एक-दो नहीं बल्कि 200 साल में कोई भी बड़ा युद्ध नहीं लड़ा हो। लेकिन वहां देश अचानक से क्या युद्ध में उतरने की तैयारी कर रहा है? दरअसल स्वीडन सरकार और सेना की ओर से स्वीडनवासियों को युद्ध के लिए तैयार रहने के आग्रह के कारण नॉर्डिक देश में अफरा-तफरी का मौहाल देखने को मिला। स्वीडन सरकार की ओर से कहा गया है कि स्वीडन में युद्ध की नौबत आ सकती है और निवासियों को इसके लिए तैयार रहना चाहिए। इस घोषणा के साथ ही नागरिकों के भी घबराहट देखने को मिली। नागरिक सुरक्षा मंत्री कार्ल-ऑस्कर बोहलिन ने कहा कि स्वीडन में युद्ध हो सकता है। उनके संदेश का सैन्य कमांडर-इन-चीफ जनरल मिकेल बायडेन ने समर्थन किया। हालाँकि, विपक्षी राजनेताओं ने चेतावनियों के लहजे पर आपत्ति जाहिर है। स्वीडन के नागरिक सुरक्षा मंत्री ने कहा कि उनका उद्देश्य लोगों की नींद ख़राब करना नहीं है, बल्कि वास्तव में क्या चल रहा है, इसके बारे में जागरूकता हासिल करना है। उन्होंने स्थानीय अधिकारियों, आपातकालीन योजनाकारों और व्यक्तियों से प्रतिक्रिया देने की अपील की। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने सम्मेलन के दौरान स्वीडन से अपने देश और अन्य लोगों के साथ हथियार बनाने और एक साथ मजबूत होने के लिए काम करने का आह्वान किया।

दमिश्क पर इजरायली हमला, पांच लोगों की मौत

दमिश्क । दमिश्क पर इजरायली हमले में इमारत में पांच लोग मारे गए। रिपोर्ट के अनुसार, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा, इजरायली मिसाइल हमले ने एक चार मंजिला इमारत को निशाना बनाया, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और पूरी इमारत नष्ट हो गई, जहां ईरान-गठबंधन के नेता बैठक कर रहे थे। रिपोर्ट में बताया गया कि ये हमले सुबह-सुबह हुए, एक हमले ने दमिश्क के माज़ेह पड़ोस में एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया, जो इजरायली आक्रामकता के परिणामस्वरूप हुआ। इसमें कहा गया है कि माज़ेह क्षेत्र संयुक्त राष्ट्र के मुख्यालय, दूतावासों और रेस्तरां का घर है। इजरायली मिसाइलों ने पूरी इमारत को नष्ट कर दिया और हमले में 10 लोग या मारे गए या घायल हो गए।

उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिका और दक्षिण कोरिया

सोल । दक्षिण कोरिया और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के साइबर खतरों के खिलाफ सहयोग बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। शनिवार को द.कोरिया के विदेश मंत्रालय के हवाले से बताया कि कोरिया गणराज्य और अमेरिका ने साइबर नीति पर बैठक की। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों पक्षों ने इसपर सहमति व्यक्त की कि उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम द.कोरिया और अमेरिका के लिए गंभीर सुरक्षा खतरा पैदा करते हैं और साथ ही वैश्विक शांति के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। दोनों देश साइबर अपराध जांच के लिए समन्वय बढ़ाने, सूचना साझाकरण का विस्तार करने और हैकिंग विरोधी प्रयासों और प्रौद्योगिकी सहयोग में परस्पर आदान-प्रदान पर सहमत हुए हैं।

ब्रिटेन की संसद में भजनों के साथ गूंजे जय श्रीराम के नारे

लंदन । अयोध्या के राम मंदिर का उत्साह केवल भारत तक सीमित नहीं है। इसके खुशी की लहर अब सात समंदर पार भी पहुंच गई है। कई देशों में जश्न का माहौल है। ब्रिटेन की संसद में जय श्रीराम के नारे और भजन हुए। जिसके कारण पूरी संसद में राम ही राम की धूम रही। लंदन स्थित हाउस ऑफ कॉमन्स में राम गीत प्रस्तुत किया गया। सोशमल मीडिया पर इसका वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। लंदन के हाउस ऑफ कॉमन्स में राम के भजन गाने से पूरा वातावरण राममय में हो गया। 17 जनवरी को ब्रिटेन की संसद परिसार में सनातन संस्था यूके की तरफ से युगपुरुष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लंदन के रेडियो जॉकी चंदा झा ने राम गीत गाकर उपस्थित सभी नेताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। बिहार के बेतिया की रहने वाली चंदा झा के भजनों पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पद्मश्री ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन ने भी भगवा गमछा ओढ़ जय श्री राम के नारे लगए। इस दौरान बच्चों ने भरतनाट्यम के द्वारा गीत गाकर भगवान राम के बारे में बताया। चंदा झा ने बताया कि सनातन और हिंदू धर्म को हमेशा बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए। हम लंदन में भी रहकर हम अयोध्या नहीं आ सकते हैं, लेकिन लंदन में ही राम के मंदिर में हम दीप जलाएंगे। हम सभी भारतीय पूजा पाठ करेंगे। लंदन में ही हम गाना गाएंगे। बता दें कि 22 जनवरी 2024 को अयोध?या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है। गुरुवार को रामलला की प्रतिमा को मंदिर के गर्भ गृह में पूरे विधि-विधान के साथ स्थापित कर दिया गया। अब लाखों-करोड़ों राम भक्तों को प्राण प्रतिष्ठा की प्रतीक्षा है। प्राण प्रतिष्ठा से पहले राम मंदिर को दुल्हन की तरह सजाया-संवारा जा रहा है।

यमन में विस्फोट, तीन जवानों की मौत

अदन,यमन। यमन के दक्षिणी अबयान प्रांत में एक बम हमले में सरकारी बलों के तीन सैनिक मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। ये धमाका उस वक्त् हुआ जब सुरक्षा बलों के जवान पूर्वी अबयान में मुदियाह जिले के वाडी ओमिरान इलाके में एक सैन्य गश्त कर रहे थे। सूत्र ने बताया कि बमबारी के पीछे अल-कायदा के आतंकवादियों का हाथ होने की संभावना है। दरअसल उन्होंने पहले मुदियाह और अबयान में अन्य जगहों पर सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर विस्फोटक उपकरण लगाए थे। साउथर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) और सरकारी सैनिकों से युक्त संयुक्त सैन्य बल 2022 के अंत से अबयान के विभिन्न हिस्सों में अल-कायदा के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। हालांकि, चरमपंथी समूह अभी भी प्रांत के दूरदराज के इलाकों में सक्रिय है। यमन में हाल के वर्षों में अल-कायदा और अन्य आतंकवादी समूहों के हमलों में वृद्धि देखी गई है क्योंकि उन्होंने हौथी समूह और सरकारी बलों के बीच लगभग एक दशक से चल रहे संघर्ष का फायदा उठाया है।

नासा का इनजेनिटी मार्स हेलीकॉप्टर से टूटा संपर्क, अगले कदमों पर किया जा रहा विचार

कथित तौर पर नासा ने अपने मंगल हेलीकॉप्टर इनजेनिटी से संपर्क खो दिया है। संभावित झटका तब आया जब इनजेनिटी लाल ग्रह पर अपने तीन साल के निशान के करीब थी, जिसने अपने विस्तारित मिशन के दौरान 71 उड़ानें सफलतापूर्वक पूरी कीं। नासा के अधिकारियों के अपडेट के अनुसार, इनजेनिटी ने 18 जनवरी को लाल ग्रह पर अपनी 72वीं उड़ान भरी। पिछली उड़ान के दौरान एक अनियोजित प्रारंभिक लैंडिंग के बाद, हेलीकॉप्टर के सिस्टम की जांच करने के लिए उड़ान को एक त्वरित पॉप-अप ऊर्ध्वाधर उड़ान के रूप में डिजाइन किया गया था। उड़ान के दौरान दृढ़ता रोवर (जो हेलीकॉप्टर और पृथ्वी के बीच एक रिले के रूप में कार्य करता है) को भेजा गया डेटा इनजेनिटी इंगित करता है कि यह 40 फीट (12 मीटर) की निर्धारित अधिकतम ऊंचाई पर सफलतापूर्वक चढ़ गया। अपने नियोजित अवतरण के दौरान, लैंडिंग से पहले, हेलीकॉप्टर और रोवर के बीच संचार जल्दी समाप्त हो गया, ' अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि इनजेनिटी टीम उपलब्ध डेटा का विश्लेषण कर रही है और हेलीकॉप्टर के साथ संचार को फिर से स्थापित करने के लिए अगले कदमों पर विचार कर रही है।

रुस में यूक्रेनी ड्रोन हमले के बाद एक तेल टैंकर में लगी आग बुझाते हुए दमकलकर्मी।

ईरान की शह पर हिज्बुल्लाह ने इजरायल को दी धमकी

बेरूत । लेबनान में ईरान की शह पर हिजबुल्लाह ने इजरायल को बड़ी धमकी दी है। गौरतलब है कि हिजबुल्लाह को ईरान से समर्थन मिला हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार हिजबुल्लाह के एक अधिकारी ने कहा कि अगर इजरायल ने लेबनान के साथ सीमा पर संघर्ष को बढ़ाया तो उसके लिए यह बहुत महंगा सौदा होगा। बता दें कि 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास की ओर से किए गए हमलों के बाद कई बार इजरायली सेना और हिजबुल्लाह के बीच भयंकर गोलीबारी देखने को मिली है। इजरायल की ओर से सीमावर्ती गांवों पर बमबारी की गई है, जिससे लेबनान में हिंसा में 142 हिजबुल्लाह लड़ाकों समेत 195 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। वहीं इजरायली सेना के मुताबिक इजरायल के 15 लोग मारे गए, जिनमें 9 सैनिक और छह नागरिक थे। हिजबुल्लाह में नंबर दो के लीडर नईम कासिम ने कहा कि अगर इजरायल ने अपने हमलों के विस्तार का फैसला किया तो उसे जवाब में हमले देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि यदि सीमा पर स्थिरता आती है तो ये मानना चाहिए कि गाजा में आक्रामकता खत्म होने की कोशिश में है। उसने धमकी भरे लहजे में उन्होंने कहा, दुश्मन को पता होना चाहिए कि हम तैयार है। हम अपनी तैयारी इस आधार पर कर रहे हैं, कि युद्ध कभी खत्म न होगा।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक शुक्रवार को दक्षिणी लेबनान में इजरायल की ओर से हवाई हमले किए गए। इन हमलों में कम से कम तीन घर पूरी तरह बर्बाद हो गए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सीमा के करीब कफर किला गांव में इजरायल की ओर से चार घरों को टार्गेट किया गया। तीन घर पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। वहीं तोपखाने के गोले से एक 5वां घर भी टार्गेट किया गया। शुक्रवार को इजरायली सेना ने कहा कि उसने कफर किला सेक्टर में हिजबुल्लाह की चौकियों को निशाना बनाया। आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए हैं।

पाकिस्तान में चुनाव सिर्फ दिखावा... सेना के हाथों की कठपुतली होती हैं चुनी हुई सरकार

-पिछली बार इमरान इस चुनाव में पीएमएल (एन) बनने जा रही

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान 8 फरवरी को अपने 12वें आम चुनाव के लिए तैयारी कर रहा है। लेकिन उसका आंतरिक राज्य अपनी जीत सुनिश्चित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया एक तमाशा बन गई है। मतदान होने में एक महीने से भी कम समय बचा है, यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान अब तक के सबसे चालाकी भरे आम चुनावों की ओर बढ़ रहा है।

पीटीआई को तोड़ने और चुनाव पूर्व धांधली का शिकार बनाए जाने के कई उदाहरण हैं। इसके शीर्ष नेता इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, उन पर भ्रष्टाचार, राज्य के रहस्यों से समझौता करने और सैन्य सुविधाओं में तोड़फोड़ करने के कई आरोप हैं। उनकी पार्टी के कई नेताओं ने कथित तौर पर दबाव में आकर पार्टी को अचानक छोड़ दिया है, उनमें से कुछ ने अपने पीटीआई के प्रतिद्वंद्वी गुटों को भी पार्टी में शामिल कर लिया है। जेल में बंद होने के कारण इमरान को अपनी ही पार्टी की कुर्सी से हटना पड़ा। इमरान सहित पीटीआई के कई चुनावी उम्मीदवारों के नामांकन पत्र पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) द्वारा खारिज कर दिए गए हैं, जो तथाकथित स्वायत्त निकाय है जो चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है।

पाकिस्तानी आवाम (मुख्य रूप से इसकी युवा आबादी) का मानना है कि खान की अयोग्यता और

उनके खिलाफ लगाए गए कई मामलों के पीछे पाकिस्तानी सेना है। पाकिस्तान का इतिहास सेना द्वारा नागरिक सरकार पर अपना प्रभुत्व स्थापित करने के कई उदाहरण है। अतीत में जब सेना के जनरल आधिकारिक तौर पर सत्ता में नहीं थे, तब भी वे देश के निर्णय लेने और इसके राजनीतिक नेतृत्व को प्रभावित करते रहे। दशकों से राजनीति में सेना के लगातार हस्तक्षेप के कारण ही पाकिस्तान में लगातार राजनीतिक संकट बना हुआ है, जिससे एक गहरे राज्य की स्थापना हुई है।

2018 के चुनावों से ठीक पहले, नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन इसी तरह सत्ता प्रतिष्ठान के क्रोध का शिकार थी और बाद में सत्ता प्रतिष्ठान के आशीर्वाद से पीटीआई सत्ता में आई थी। इसके बाद इमरान ने तेजी से पाकिस्तानी सेना के साथ करीबी रिश्ते बनाए। अपने प्रधानमंत्रित्व कार्यकाल के दौरान, उन्होंने कश्मीर मुद्दे (अनुच्छेद 370 को निरस्त करने) पर अपने रुख के संदर्भ में सेना के एजेंडे को काफी आगे बढ़ाया। अमेरिका के साथ संबंधों में सुधार किया और कुछ हद तक बढ़े हुए सैन्य खर्च को बनाए रखने के लिए धन जुटाने का प्रबंधन किया। हालाँकि, सैन्य समर्थन के कारण इमरान की शक्ति कमजोर हो गई। सेना के साथ मतभेद पहली बार 2021 में खुलकर सामने आए जब पूर्व सेना प्रमुख क़मर जावेद बाजवा ने लेफ्टिनेंट जनरल नदीम अंजुम को इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया। खान ने अपनी पसंद के जनरल फैज़ हमीद के पक्ष में इसका विरोध किया। हालाँकि, बाद में वह कोई बदलाव लाने में असफल रहे। बाद में खान और बाजवा दोनों में विदेश नीति के मुद्दों पर मतभेद होने लगे। साथ ही खान ने विभिन्न मंचों पर सेना के साथ अपनी निजी चर्चा के बारे में खुलकर बोलना शुरू कर दिया, इस सेना स्वीकार नहीं कर सकी। जिसके कारण इमरान खान को जेल में डाल दिया गया। वर्तमान परिदृश्य में ऐसा लगता है कि इतिहास फिर से दोहरा रहा है।

2018 के चुनाव की तरह आगामी फरवरी के चुनाव का भी कुछ ऐसा ही हश्र होता दिख रहा है। केवल इस बार, स्थिति बदल गई है, जिससे पीटीआई की कीमत पर पीएमएल (एन) को प्रमुखता मिलती दिख रही है। पाकिस्तान का पंजाब प्रांत, जो सबसे अधिक सीटें रखता है, आगामी चुनाव में जीतने वाली पार्टी के भाग्य का निर्धारण करने जा रहा है। पाकिस्तानी सेना के निर्देशन में डीप स्टेट, किसी भी तरह से पीएमएल (एन) के पक्ष में मतदान के बहुमत को प्राप्त करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

रूसी सेना में अपने नागरिकों की भर्ती पर नेपाल को ऐतराज, मास्को से की स्वदेश भेजने की मांग

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाल ने कहा कि उसने मॉस्को से अपने नागरिकों को रूसी सेना में भर्ती नहीं करने और उन लोगों को वापस लाने में मदद करने को कहा है जो यूक्रेन में युद्ध लड़ने के लिए पहले ही देश की सेना में शामिल हो चुके हैं। नेपाली सैनिक, जिन्हें गोरखा कहा जाता है, अपनी बहादुरी और युद्ध कौशल के लिए जाने जाते हैं, और 1947 में तीन देशों के बीच एक समझौते के तहत भारत की स्वतंत्रता के बाद ब्रिटिश और भारतीय सेनाओं की सेवा कर रहे हैं। कम से कम 200 नेपाली युवा अवैध चैनलों के माध्यम से रूसी सेना में शामिल हो गए हैं और उनमें से 12 यूक्रेन के खिलाफ लड़ते हुए पहले ही अपनी जान गंवा चुके हैं।

लाखों नेपाली नागरिक मुख्य रूप से दक्षिण कोरिया, मलेशिया और मध्य पूर्व में उद्योगों और निर्माण स्थलों पर मजदूर के रूप में नागरिक कार्यों में कार्यरत हैं। नेपाली विदेश मंत्री एन.पी. सऊद ने शुक्रवार को युगांडा के कंपाला में चल रहे गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन के मौके पर रूस के उप विदेश मंत्री वर्शिनिन सर्गेई वासिलिविच के साथ अपनी बैठक के दौरान रूस से कहा, ÷देश की सेना में नेपाली नागरिकों की भर्ती न करें और जो पहले ही कर चुके हैं उन्हें वापस लाने में मदद करें।÷ सऊद के निजी सचिवालय के अनुसार, सेना में शामिल हो गए। सऊद ने स्पष्ट किया कि ÷नेपाल की उन कुछ देशों को छोड़कर अपने नागरिकों को विदेशी सेना में भेजने की कोई नीति नहीं है, जिनके साथ उसकी पारंपरिक व्यवस्था है।

इसलिए, मैंने रूसी मंत्री से हमारे नागरिकों को अपनी सेना में भर्ती नहीं करने के लिए कहा है, ÷सऊद को उनके निजी सचिवालय ने यह कहते हुए उद्धृत किया। सऊद के सचिवालय के अनुसार, बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने नेपाल और रूस के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी चर्चा की। इस अवसर पर सऊद ने नेपाल और रूस के बीच मौजूद लंबे ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख किया। रूसी उप विदेश मंत्री ने द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए इस बात पर जोर दिया कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूत नींव पर बने हैं।

जापान का यान पहुंचा चांद पर, लेकिन कुछ घंटों का ही मेहमान

-लैंडिंग के बाद सौर पैनल में आई खराबी के चलते बैटरी मोड में कर रहा काम

टोक्यो (एजेंसी)। चांद पर यान की सफल लैंडिंग करवाकर अब जापान भी एक अंतरिक्ष महाशक्ति बन गया है। जापान चांद पर पहुंचने वाला 5वां देश बन गया है। शुक्रवार को जापान का रोबोटिक स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग द मून (स्लिम) सफलतापूर्वक चांद पर उतरा। लेकिन यह कुछ घंटों का ही मेहमान है। जानकारी के अनुसार उसके सौर पैनल ने काम करना बंद कर दिया है, इसलिए यह बैटरी पर ही टिका हुआ है, जैसे ही बैटरी खत्म होगी वह निष्क्रिय हो जाएगा। इसके चांद पर लैंडिंग की जापान में 20 जनवरी की तारीख थी और आधी रात में लोग इस कामयाबी के गवाह बनना चाहते थे। जापान के लोगों ने उसी खुशी को महसूस किया, जो अगस्त 2023 में चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद भारत के लोगों ने महसूस किया। जापान चांद पर पहुंच गया है, लेकिन यह मिशन पूरी तरह उम्मीद पर खरा नहीं उतरा। जापानी स्पेस एजेंसी (जाक्सा) के मुताबिक अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर सॉफ्ट लैंडिंग करने में कामयाब रहा है। स्लिम चंद्रमा के शियोली क्रेटर के पास से डेटा प्राप्त कर रहा है। हालांकि अधिकारियों ने इस दौरान एक खराबी का जिक्र करति हुए कहा कि लैंडर पर लगे सौर ऊर्जा सेल में खराबी देखने को मिली है। यह उम्मीद के मुताबिक बिजली नहीं बना रहे हैं। जिस कारण यह बैट्री मोड पर चल रहा है। बैट्री की अपनी क्षमता है, इस कारण यह अंतरिक्ष यान कुछ घंटे ही काम कर सकेगा। बताया जा रहा है कि स्लिम इस समय रिजर्व बैट्री पर चल रहा है, जो कुछ ही घंटों में खत्म हो जाएगी। इससे शोधकर्ताओं को लैंडर के जरिए प्रयोग करने का बेहद सीमित समय मिला है।

पाकिस्तान लग जाएगा किनारे, चीन को लगेगा जोर का झटका, भारत - ईरान के बीच अब हो गया कौन सा समझौता?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ईरान के बीच हुआ एक समझौता पड़ोसी पाकिस्तान के साथ ही चीन के लिए भी चिंता का सबब बन रहा है। हम चाबहार परियोजना की बात कर रहे हैं, जिसे लेकर दोनों देशों के बीच ताजा बातचीत में इस पर तेजी के साथ काम करने को लेकर समझौता हुआ है। इस परियोजना के शुरू होने पर अफगानिस्तान जाने वाले भारतीय ट्रकों को पाकिस्तान से होकर नहीं गुजरना पड़ेगा। सीपीईसी के जरिए इस इलाके में अपना दबदबा कायम करने की कोशिश में लगे चीन को भी बड़ा झटका लगेगा। द इकोनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत और ईरान अपनी पहली विदेशी बंदरगाह परियोजना चाबहार पोर्ट को लेकर अंतिम समझौते पर पहुंच गए हैं। इस ईरानी बंदरगाह का निर्माण दोनों देशों के बीच लंबे समय से चर्चा में है। ये तब भी चर्चा में आया था जब पीएम मोदी साल 2013 में तेहरान गए थे।

क्या है चाबहार बंदरगाह परियोजना

चाबहार बंदरगाह ईरान के सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। ओमान की खाड़ी में स्थित ये बंदरगाह ईरान के दक्षिणी समुद्र तट को भारत के

पश्चिमी समुद्री तट से जोड़ता है। चाबहार बंदरहाग ईरान के दक्षिणी पूर्वी समुद्री किनारे पर बना है। इस बंदरगाह को ईरान द्वारा व्यापार मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया। पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पश्चिम की तरफ मात्र 72 किलोमीटर की दूर पर है। अभी तक मात्र 2.5 मिलियन टन तक के समान ढोने की क्षमता वाले इस बंदरगाह को भारत,ईरान और अफगानिस्तान मिलकर इसे 80 मिलियन टन तक समान ढोने की क्षमता वाला बन्दरगाह विकसित करने की परियोजना बना रहे हैं।

बीते कुछ सालों में चाबहार परियोजना काफी विकसित हुई है और अब इसमें एक मुख्य केंद्र जाहेदार इलाके तक 628 किलोमीटर लंबी रेल लाइन और फिर ईरान तुर्कमेनिस्तान सीमा पर एक हजार किलोमीटर से ज्यादा लंबे ट्रैक की परिकल्पना की गई है। हूती ठिकानों पर ब्रिटेन, अमेरिका बलों के हमले और एंटनी ब्लिंकन के साथ चर्चा के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ईरान की दो दिन की यात्रा पर थे। चाबहार बंदरगाह संपर्क और व्यापार रिश्तों को बढ़ावा देने के लिए भारत और ईरान द्वारा विकसित किया जा रहा है। भारत क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट पर जोर दे रहा है, खासकर अफगानिस्तान से इसके कॉन्टैक्ट के लिए।

चाबहार परियोजना के जरिए पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत को अफगानिस्तान के लिए एक सीधा रास्ता मिलेगा। अफगानिस्तान ऐतिहासिक रूप से भारत के साथ मित्रता के बंधन में बंधा हुआ है। नई कनेक्टिविटी से अफगानिस्तान को भी बड़ा फायदा होगा। अपने व्यापार कारोबार और संपर्क का विस्तार करने के लिए भारत के रूप में एक बड़ा बाजार मिलेगा। इसके अलावा सीपीईसी के रूप में चीन ने इस इलाके तक जो वर्चस्व स्थापित किया है। इस परियोजना से चीन का प्रभाव भी कम हो जाएगा।

विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थायी समाधान की बताई जरूरत

-कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में रखी अपनी बात

कंपाला (एजेंसी)। विदेश मंत्री जयशंकर ने गाजा संकट के स्थाई समाधान की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने यहां मानवीय कानून बाहाली की भी मांग की है। जानकारी के अनुसार कंपाला में 19वें गुटनिरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में जयशंकर ने कहा कि वर्तमान में गाजा में संघर्ष सबसे बड़ी चिंता है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की जरूरत है, जो प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे सके। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस्राइल-हमास के बीच संघर्ष को गंभीर मुद्दा बताया। युगांडा की राजधानी कंपाला में शिखर सम्मेलन के दौरान जयशंकर ने कहा कि ऐसे संघर्ष चल रहे हैं जिनका असर दूर-दूर तक महसूस किया जा रहा है। गाजा, विशेष तौर पर हमारी चिंता के केंद्र में है। इस मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है, जो सबसे अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे। लेकिन हमें यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवाद और लोगों को बंधक बनाना अस्वीकार्य है।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के सम्मान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हमेशा सम्मान करना चाहिए। फिलहाल गाजा संघर्ष को और बढ़ने से रोकना बहुत जरूरी है। दो-राष्ट्र समाधान (इस्राइल-फलस्तीन) पर भारत के रुख को दोहराते हुए विदेश मंत्री ने कहा कि अंतिम निष्कर्ष के लिए हमें दो-राष्ट्र समाधान की दिशा में कार्य करना चाहिए, जहां फलस्तीनी लोग सुरक्षित सीमाओं में रह सकें। हमारे सामूहिक प्रयासों को इसे साकार करने पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी होगा।

विदेश मंत्री ने कहा कि दुनिया इस समय असमानता और वर्चस्व के बीच जूझ रही है। विश्व में अब एक नहीं, बहुध्रुवीय व्यवस्था की जरूरत है जिसके मूल में पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र होना चाहिए। जयशंकर ने वसुधैव कुटंबकम यानी दुनिया को एक परिवार मानने वाले भारत के प्राचीन विश्वास को भी प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि 2019 में बाकू में हुए नाम की बैठक के बाद से दुनिया बहुत बदल गई है। कोविड महामारी ने हम सभी को तबाह कर दिया है जिसके घाव भरने में अनेक पीढ़ियां लग जाएंगी।

विदेश मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की स्थिति तेजी से खराब हो रही है। कर्ज, मुद्रास्फीति और विकास की चुनौतियों की

तिकड़ी भी विकास पर भारी पड़ती है। इन गंभीर चिंताओं को ध्यान में रखते हुए जयशंकर ने कहा कि यह उस दुनिया की प्रकृति है जिसका हम सामना करते हैं। शिखर सम्मेलन से इतर जयशंकर ने नेपाल के पीएम पुष्प कुमार दहल उर्फ प्रचंड से भी मुलाकात की है। उन्होंने बोलीविया, अजरबैजान और वेनेजुएला के अपने समकक्षों के साथ भी बैठकें करके वैश्विक और क्षेत्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा की।

संपादकीय

कोचिंग पर लगाम

उनकी भूमिका हमेशा से ही विवादों में रही है, लेकिन चाहे-अनचाहे कोचिंग केंद्र हमारी शिक्षा-व्यवस्था का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। हालत यह है कि छोटे-छोटे कस्बों में भी, जहां छात्रों के लिए बमुश्किल एक-दो कॉलेज उपलब्ध हैं, आधा दर्जन कोचिंग संस्थानों के बोर्ड नजर आ जाते हैं। यह माना जाता है कि कोचिंग संस्थानों का फलना-फूलना कहीं न कहीं हमारी शिक्षा-व्यवस्था की कमियों की ओर ही इशारा करता है। इसी बात को एक अलग तरह से भी कहा जाता है कि हमारी शिक्षा-व्यवस्था में जो कसर बची रह जाती है, उसे कोचिंग संस्थान पूरा करते हैं। स्कूल और कॉलेज बच्चों को महज पढ़ाने और उनकी परीक्षा के आयोजन का काम करते हैं, जबकि कोचिंग संस्थान उन्हें विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं और अन्य स्पर्द्धी परीक्षाओं के लिए तैयार करते हैं। उन्हें स्कूल-कॉलेज के बाद के प्रतिस्पर्द्धा वाले संसार के लिए सघन शिक्षण और प्रशिक्षण देते हैं। उन कोचिंग संस्थानों के योगदान को कैसे भूला जा सकता है, जो कम शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए रास्ता तैयार करते हैं? लेकिन यह भी एक सच है कि ये कोचिंग संस्थान अक्सर गलत कारणों से चर्चा में आते रहे हैं। कोटा के कोचिंग संस्थानों में हुई आत्महत्याओं के बारे में काफी कुछ लिखा जा चुका है। पिछले कुछ समय में कई राज्यों में पर्चे लीक होने के मामले सामने आए हैं। इनमें से कुछ के तार कोचिंग संस्थानों से जुड़े पाए गए हैं। शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग संस्थानों के नियमन के लिए जो दिशा-निर्देश जारी किए, वे इसी लिहाज से महत्वपूर्ण हैं। इससे कोचिंग कारोबार पर लगाम की एक उम्मीद बंधी है। अब इन कोचिंग संस्थानों की फीस, अध्ययन-अध्यापन की समय-सीमा जैसी कई चीजें सरकार की निगरानी में रहेंगी। साथ ही इन संस्थानों में कितनी जगह होनी चाहिए, इसके लिए भी इस दिशा-निर्देश में प्रावधान रखे गए हैं। सबसे बड़ी चीज यह है कि सरकार ने कोचिंग संस्थान में दाखिले के लिए एक न्यूनतम उम्र भी तय कर दी है। अब 16 साल से कम उम्र के बच्चों को कोचिंग संस्थानों में दाखिला नहीं दिया जा सकेगा। बहुत छोटे बच्चों के कोचिंग कारोबार का जो सिलसिला इन दिनों शुरू होता दिख रहा है, उम्मीद है कि अब उस पर लगाम लग सकेगी। कोचिंग संस्थानों के लिए इस तरह के नियमन की जरूरत काफी समय से महसूस की जा रही थी। एक तरह से इसमें देरी ही की गई है। ये दिशा-निर्देश उस समय आए हैं, जब ऑनलाइन कोचिंग का चलन तेजी से बढ़ रहा है और यह उम्मीद व्यक्त की जा रही है कि परंपरागत कोचिंग संस्थान जल्द ही बीते दिनों की बात बनकर रह जाएंगे। फिर भी ये दिशा-निर्देश स्वागत-योग्य हैं। अभी जो स्थितियां हैं, उनमें कोचिंग संस्थान देश के मध्यवर्ग की एक बहुत बड़ी जरूरत बन गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि देश की शिक्षा-व्यवस्था की रीढ़ हमारे परंपरागत स्कूल-कॉलेज ही हैं। कोचिंग संस्थानों के फलने-फूलने का एक बड़ा कारण इस व्यवस्था की खामियां भी हैं। हमारी पहली प्राथमिकता मूल शिक्षा-व्यवस्था को मजबूत करने की ही होनी चाहिए। इन दिशा-निर्देशों के ठीक दो दिन पहले ही 'असर' की रिपोर्ट आई है, जो बताती है कि निचले स्तर पर स्कूली शिक्षा में बहुत सुधार नहीं हुआ है।

आज का राशीफल

मेष आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने बहुमूल्य सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। त्वचा उदर या वायु विकार की संभावना है। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। किया गया प्रयास सफल होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। परिश्रम अधिक करना होगा।

कर्क पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। अनचाही यात्रा या विवाद में फंस सकते हैं।

तुला बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। विरोधी शारीरिक या मानसिक रूप से कष्ट देंगे। पारिवारिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पिता या संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा।

वृश्चिक पारिवारिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मैत्री संबंध में प्रगाढ़ता आयेगी।

धनु शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। छोटी-छोटी बातों पर उत्तेजना हो सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रोग और विरोधी बढ़ेंगे। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। चली आ रही समस्याओं का समाधान होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखत व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

विरोध-प्रतिरोध से सांस्कृतिक विरासत तक

शंभूनाथ शुक्ल

हरियाणा में कांग्रेस के क़द्दावर नेता और राज्यसभा सदस्य दीपेन्द्र हुड्डा सोमवार 15 जनवरी को अचानक अयोध्या पहुंच गए। वहां उन्होंने सरयू नदी में स्नान किया और रामलला के दर्शन किए। उनके साथ पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय और कांग्रेस की केंद्रीय कमेटी की तरफ़ से नियुक्त उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पांडेय ने भी सरयू स्नान कर रामलला के दर्शन किए। बाद में प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत भी वहां पहुंचीं। हुड्डा ने कहा, भगवान राम उनकी आस्था के प्रतीक हैं और वे प्रदर्शन नहीं करते। हालांकि उन्होंने सोशल मीडिया की साइट एक्स में अपनी स्नान की तस्वीर भी डाली। दीपेन्द्र हुड्डा के अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने से यह बात स्पष्ट हो गई है, कि भले कांग्रेस ने 22 जनवरी का आमंत्रण ठुकराया हो लेकिन पार्टी के भीतर भी कशमकश चल रही है। हिंदी प्रदेशों में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के उत्सव से लोगों में इस क़दर जोश उमड़ा है, कि उसकी अनदेखी किसी के वश की बात नहीं। 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे राम मंदिर के गर्भगृह में रामलला की मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का समारोह आयोजित है। यह एक ऐतिहासिक क्षण होगा। क़रीब 500 वर्ष बाद मर्यादा पुरुषोत्तम और हिंदू लोकमानस के भगवान राम उस जगह पर पुनः बिराजेंगे, जहां उनका जन्म हुआ था। 1527 ईस्वी में अयोध्या में रामलला के जन्म स्थान मंदिर को तोड़कर बाबर के सेनापति मीर बकी ने मस्जिद का निर्माण कराया था। यह मंदिर उसने बाबर के कहने पर तोड़ा था, और इस आशय का एक पत्थर भी वहां लगवा दिया था, इस वजह से इसे बाबरी मस्जिद कहा जाता था। इसके बाद से लगातार इस स्थान पर मंदिर बनवाने के लिए राम भक्तों का आग्रह रहा। पिछले 500 वर्षों में अनगिनत साधु-संत और रामभक्त यहां मारे गए। किंतु राम भक्तों का यह संघर्ष कभी बंद नहीं हुआ। इस मंदिर को मुक्त करवाने के लिए विश्व हिंदू परिषद का योगदान सिर्फ़ यह रहा, कि उसने इस संघर्ष को सांगठनिक रूप दिया। उसने छिटपुट संघर्ष करने वाले राम भक्तों के लिए मंच तैयार किया और भाजपा ने देशव्यापी बनाकर इसे राजनीतिक स्वरूप प्रदान किया। हालांकि, बीच-बीच में यह आंदोलन हिंसक भी हुआ, और राम भक्तों पर गोलियां भी चलीं। कई रामभक्त मारे भी गये। लेकिन सत्ता द्वारा गोलियां बरसाने के चलते आंदोलन और तीव्र हुआ। अंततः राम मंदिर कार सेवकों के ग़ुस्से के चलते 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचा ध्वस्त हो गया। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान सभी राजनीतिक दलों ने चुप्पी साधी। राम मंदिर पर सुप्रीम फ़ैसला आ जाने के बाद से यहां राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू हुई और अंततः 22 जनवरी को मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम तय हुआ है। इस दिन के लिए हज़ारों निमंत्रण पत्र बांटे गये हैं। निमंत्रण बांटने का ज़िम्मा राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने लिया। मंदिर के इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में राजनीतिक दलों के नेता तथा तमाम फ़िल्मी कलाकारों को न्योता देने से विवाद बढ़ा है। समारोह में वे तमाम लोग नहीं बुलाये गये जो राम मंदिर आंदोलन में जेल गये और बलिदान हुए। हालांकि जब पूरा देश राममय हो उठा हो तो वे सारे लोग मुंह से राम-राम जपने लगे हैं, जो कल तक राम मंदिर आंदोलन को कार सेवकों का उन्माद बता रहे थे। बहुत सारे साधु-संत भी इस प्राण-प्रतिष्ठा का विरोध कर रहे हैं। इसका कारण एक तो उनको इसमें अपनी उपेक्षा प्रतीत हो रही है, दूसरे वे इस प्राण-प्रतिष्ठा की पद्धति से नाखुश हैं। राम मंदिर के लिए राजनीतिक आंदोलन शुरू करने वाले लालकृष्ण आडवाणी और उसकी ध्वजा थामने वाले मुरली मनोहर जोशी को निमंत्रण तो ट्रस्ट की तरफ़ से गया है। लेकिन उन्हें सलाह भी दी गई है, कि ठंड की वज़ह से ये नेता न पधारें। ऐसे कई कारण हैं, जिनसे विवाद पैदा हो गया है। हर नेता और हर साधु के अपने-अपने 'ईगो' हैं। लेकिन हर एक को इंतज़ार था, कि कांग्रेस इस पर क्या प्रतिक्रिया देती है? क्या सोनिया गांधी इस समारोह में आएंगी अथवा नहीं। यह जानी-मानी बात है, कि अयोध्या में राम मंदिर का ताला खुलवाने की पहल तत्काल प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने की थी। लेकिन जब कांग्रेस को न्योता देने विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष गए, तब न्योता तो स्वीकार कर लिया गया परंतु जयराम रमेश ने कहा है, कि कांग्रेस इस मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में नहीं जाएगी, तब से कांग्रेस में बेचैनी भी खूब पनपी है। 7-8 अप्रैल, 1984 को दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में संतों ने एक धर्म संसद आयोजित की। इस धर्म संसद में प्रमुख वक्ता डॉ. कर्ण सिंह थे, जो कांग्रेस के

प्रमुख नेता थे और उस समय केंद्र में इंदिरा गांधी की सरकार थी। एक फ़रवरी, 1986 को बाबरी मस्जिद में क़ैद रामलला मंदिर का ताला खुला, यह बहुत बड़ी घटना थी। उस समय केंद्र में राजीव गांधी की और उत्तर प्रदेश में वीर बहादुर सिंह की सरकार थी। सबने इस पर मौन साधा। क्योंकि यह हर एक को पता था, कि यह पहल प्रधानमंत्री राजीव गांधी के इशारे पर हुई थी। फ़ैज़ाबाद के ज़िला जज केएम पांडेय ने ताला खोलने का आदेश दिया था। मालूम हो कि यह ताला वहां 1949 से लगा था। यही नहीं, अयोध्या में राम मंदिर जन्म स्थान पर शिलान्यास 9 नवंबर, 1989 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी और प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सहमति से किया गया था। इसके बाद से राम मंदिर आंदोलन पूर्णतया राजनीतिक हो गया और हर राजनीतिक पार्टी इसमें अपने-अपने फ़ायदे ढूंढ़ने लगी। 25 सितंबर, 1990 को भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या के लिए रथयात्रा शुरू की थी। इसे 23 अक्तूबर को बिहार के मुख्यमंत्री लालू यादव के आदेश पर समस्तीपुर में रोक लिया गया और लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ़्तार कर लिया। भाजपा ने केंद्र की विश्वनाथ प्रताप सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया। सरकार अल्पमत में आ गई। उस समय उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव की सरकार थी। 30 अक्तूबर से 2 नवंबर, 1990 के बीच कारसेवकों की तोड़-फोड़ रोकने के लिए पुलिस बल का प्रयोग हुआ। इसमें 40 कार सेवक मारे गए। इससे आंदोलन ने और तीव्र रूप ले लिया तथा पूरे देश में तीखी प्रतिक्रिया हुई। इसका भाजपा को लाभ मिला और 1991 के चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बन गई। कल्याण सिंह मुख्यमंत्री बने। उन्हीं के कार्यकाल में 6 दिसंबर, 1992 को विवादित ढांचे को उग्र भीड़ ने ध्वस्त कर दिया। केंद्र की नरसिंह राव सरकार भी बस देखती रही। एक तरह से कांग्रेस के अधिकांश नेता भी यह मानते थे कि बाबरी मस्जिद मूल रूप से राम जन्म स्थान ही है। सबसे दिलचस्प प्रकरण अब शुरू हुआ है। वे राजनेता और बुद्धिजीवी तथा फ़िल्म व खेल सम्राट जो कल तक इसे भाजपा की हिंदू तुष्टीकरण नीति मान रहे थे और येन-केन-प्रकारेण विरोध कर रहे थे, भी अब प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को राष्ट्रीय उत्सव बता रहे हैं। यहां तक कि वे राजनीतिक दल भी जो राम को एक काल्पनिक पात्र मानते हैं और सनातन हिंदू समाज को नष्ट करने की बातें करते रहे हैं। वे समझ रहे हैं कि इस समय देश का लोक मानस राम मंदिर के साथ है। ऐसे में राममूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में न जाने से सारा क्रेडिट भाजपा को मिलेगा। फ़िल्म गीतकार ज़ावेद अख़्तर ने भी कहा है, कि हिंदू समाज बहुत उदार है और राम तो पूरे भारतीय समाज में मान्य हैं। ज़ावेद अख़्तर ने अजंता एलोरा समारोह में कहा है, कि प्राण-प्रतिष्ठा समारोह दुनिया का सबसे बड़ा समारोह है, इसलिए इस पर हंगामा करने का कोई अर्थ नहीं है। भगवान राम और सीता को उन्होंने न सिर्फ़ हिंदू देवी-देवता कहा बल्कि उन्हें संपूर्ण भारतीय समाज की सांस्कृतिक विरासत बताया। ज़ावेद अख़्तर के बयान से खुद को सेकुलर बताने वालों के मुंह धुआं हो गए हैं।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

पाक सियासत में हिंदू नारी से आशाएं

अरुण नैथानी

यूं तो अक्सर पाकिस्तान से हिंदू अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और धर्म परिवर्तन की ही खबरें आती हैं। लेकिन पिछले दिनों एक अच्छी खबर आई कि पहली बार किसी अल्पसंख्यक हिंदू बेटी को उत्तर पूर्वी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की एक सीट से चुनाव लड़ने का मौका मिला है। सामान्य सीट से लड़ने वाली सवीरा पाक की पहली हिंदू महिला हैं। एक महिला का चुनाव लड़ना इस पिछड़े इलाके में अचरज जैसा है। ऐसा इलाका जहां महिलाएं कपड़ों से लिपटी ही पुरुषों के साथ घर से बाहर निकल सकती हैं। इतना ही नहीं, कई महिलाओं को वोट डालने का भी मौका नहीं मिलता। ऐसे इलाके में सवीरा घर-घर जाकर वोट के लिये संपर्क साध रही हैं। दरअसल, सवीरा को पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने बूनेर सीट से टिकट दिया है। आज गुमनाम बेनूर-सा बूनेर पूरे पाकिस्तान ही नहीं पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, कुछ समय पूर्व तक बूनेर का इलाका पाक सेना व सुरक्षा बलों की संयुक्त कार्रवाई से चर्चा में आया था। दरअसल, इस सदी के पहले दशक में चरमपंथी संगठन तहरीक-ए-तालिबान ने स्वात घाटी पर कब्जा कर लिया था। कालांतर तालिबान ने अपनी सीमा का विस्तार बूनेर तक कर लिया था। कई जगह कब्जा करके अपनी पोस्ट बना ली थी। जिसे खाली कराने के लिये सेना ने बूनेर में ऑपरेशन ब्लैक थंडरस्टॉर्म चलाया था। जो मीडिया की सुर्खियां बना था। लेकिन अब यह छोटा शहर सवीरा प्रकाश की ख्याति से चर्चाओं में है। वास्तव में स्वात घाटी के निकट स्थित बूनेर पश्तून बहुल इलाका है। पाकिस्तान की राजधानी से करीब सौ किलोमीटर दूर स्थित बूनेर कभी स्वात रियासत का हिस्सा था। सवीरा अब खुद को भी पख्तून संस्कृति का हिस्सा मानती है। जिसकी विशिष्ट सांस्कृतिक परंपराएं और रिवाज हैं। वह कहती है कि यह एक समावेशी समाज है जिसके चलते उनके परिवार को कभी किसी तरह के भेदभाव का शिकार नहीं होना पड़ा। जहां तक राजनीति में आने का सवाल है तो उन्हें घर में राजनीतिक रूप से जागरूकता का वातावरण मिला है। उनके पिता इलाके में एक चिकित्सक व समाजसेवी के रूप में पहचान रखते हैं। पिता सामाजिक कार्यों में तो संलग्न रहे ही हैं, साथ ही सक्रिय राजनीति में भी रहे हैं। वे पिछले तीन दशक से पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। यूं तो सवीरा पेशे से एक डॉक्टर हैं और सरकारी अस्पताल में सेवाएं दे रही हैं। लेकिन यह इलाका सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक रूप से काफी पिछड़ा हुआ है। उन्हें लगता है कि इस पिछड़े और आधी दुनिया के अंधेरे वाले समाज में वह सिर्फ चिकित्सक की भूमिका से सामाजिक बदलाव नहीं ला सकती है। वह कहती है कि इस इलाके के सामाजिक उत्थान के मकसद से वह राजनीति में आ रही है। उनका मानना है कि जब उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई शुरू की तो मकसद समाज के वंचित व कमजोर वर्गों के हितों का ही ध्यान था। राजनीति में आने का मकसद भी मानवीय सरोकार ही हैं। वह कहती हैं कि मुझे लगता था कि एक डॉक्टर की भूमिका में मैं वह बदलाव नहीं कर सकती, जो व्यापक सामाजिक बदलावों का वाहक बन सके। वह चाहती है कि इन लक्ष्यों के लिये हमें अपने सिस्टम में सुधार लाने की जरूरत है, जो राजनीतिक ताकत के जरिये ही हासिल किया जा सकता है। दरअसल, सवीरा का भरोसा है कि क्षेत्र का प्रतिनिधि बनकर वह आधी दुनिया के वाजिब हकों को दिलाने में सक्षम होगी। वह क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य व पर्यावरण से जुड़े मुद्दों का वे समाधान करना चाहती हैं। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में लड़कियों के आगे बढ़ने के मौके बहुत कम हैं। पहले तो उन्हें पढ़ने का अवसर ही नहीं मिलता। एक तो आर्थिक कमजोरी और दूसरा मानसिक गरीबी कि लड़की घर से बाहर न निकले। सवीरा इस लीक को तोड़ना चाहती है। सवीरा चाहती हैं कि लड़के-लड़कियां मदरसों से बाहर निकलकर आधुनिक शिक्षा ग्रहण कर सकें। ताकि मां-बाप लड़कियों को घरों में काम करने के लिये भेजने के बजाय स्कूल भेजें। वैसे सवीरा की आगे की राह आसान भी नहीं है। वह लोगों से वोट मांगने नुक्कड़ सभाओं और बैठकों में जाती है तो असहज हो जाती है। दरअसल, इस पिछड़े इलाके में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी नगण्य ही है। हालांकि कई सभाओं में वह अकेली महिला होने पर अजीब अनुभव करती है। लेकिन स्थानीय लोग इस परिवार के समाज के लिये योगदान के चलते सकारात्मक प्रतिसाद दे रहे हैं। राजनीतिक प्रतिबद्धताओं से इतर लोग उन्हें समर्थन देने की बात कर रहे हैं। उनके पिता का रसूख भी उनके काम आ रहा है। जिससे उनका मनोबल बढ़ा भी है। वह कहती है कि हम इसी मिट्टी में पले-बढ़े हैं। हमारे पूर्वजों ने विभाजन के बाद भारत जाने के बजाय इस धरती में रहना चुना। यहां समावेशी समाज ने हमें स्वीकार किया। वही लोग मेरे चुनाव लड़ने से खासे उत्साहित हैं। बहरहाल, अब सवीरा चुनाव को लेकर उत्साहित हैं। जैसे-जैसे मतदान वाला महीना फरवरी करीब आ रहा है, सवीरा का विश्वास बढ़ रहा है।

पहले चुनाव लड़ने को लेकर मन में कई तरह की आशंकाएं थीं। कई तरह के भय थे। लेकिन नामांकन कराने के बाद उसका डर कम हुआ है। उनके पिता सामाजिक जीवन और पीपुल्स पार्टी में तीन दशक से सक्रिय हैं। अन्य दलों के लोग भी पिता के कान में कह जाते हैं, चिंता मत करो बिटिया को वोट देंगे।

विचार मंथन

बार फिर से पैरोल

(लेखक- सनत जैन)

डेरा सच्चा सौदा के प्रमुख गुरमीत सिंह राम रहीम को 29 दिन के बाद एक बार फिर से पैरोल मिल गई है। इस बार उन्हें 50 दिन की पैरोल स्वीकृत हुई है। उल्लेखनीय है, कि राम रहीम सुनारिया जेल में दुष्कर्म और हत्या के मामलों में उम्र कैद की सजा काट रहे हैं। 13 दिसंबर को ही 21 दिन फरलो में बाहर रहकर जेल वापस गए थे। इस बार जब 50 दिन की पैरोल स्वीकृत हुई। उन्हें लेने के लिए मुंहबोली बेटी हनीप्रीत सैकड़ों समर्थकों के साथ जेल पहुंची। गाजे-बाजे के साथ राम रहीम जेल से बाहर आए। बाबा राम रहीम के भाग्य और उनकी किस्मत को लेकर सारे देश में चर्चा हो रही है। बाबा राम रहीम के ऊपर आश्रम की दो साद्धवियों से दुष्कर्म करने, डेरा प्रबंधक रणजीत सिंह की हत्या करने और एक पत्रकार की हत्या करने के प्रमाणित आरोप में न्यायालय द्वारा आजीवन कारावास की सजा दी गई है। बाबा राम रहीम जेल में सजा काट रहे हैं। 2017 में उनके मामले का फैसला हुआ था। अभी तक 6 साल, 5 माह की जेल अवधि में वह 184 दिन जेल से बाहर रहे हैं। पिछले दो सालों में बाबा राम रहीम 182 दिन की पैरोल और फरलो पर छुट्टी लेकर जेल से बाहर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में जब जब विधानसभा के चुनाव होते हैं, तब-तब उन्हें पैरोल अवश्य दी जाती है। कुछ माह के पश्चात लोकसभा के चुनाव होने हैं। माना जाता है कि बाबा राम रहीम एक पार्टी विशेष के समर्थक हैं। वही पार्टी सत्ता में है। जब भी चुनाव आते हैं, बाबा राम रहीम को जेल से बाहर निकाल कर उनके भक्तों के बीच उन्हें भेजा जाता है। उनके आश्रम में कई ऐसे कार्यक्रम रखे जाते हैं, जिसमें बड़ी संख्या में भक्त शामिल होते हैं। बाबा राम रहीम चुनाव जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं, जिसके कारण सरकार उन्हें समय-समय पर पैरोल और फरलो पर बाहर निकालती है। बाबा राम रहीम की तरह बापू आसाराम भी जेल में बंद हैं। लेकिन ऐसी कृपा उनके ऊपर नहीं बरसती है। उनके भक्त कई राज्यों में फैले हुए हैं। वोट की फसल कटवाने जैसी स्थिति उनकी नहीं है। जिसके कारण उनके ऊपर सरकार और राजनीतिक दल ध्यान नहीं देते हैं। इस मामले में बाबा राम रहीम का भाग्य अन्य दुष्कर्मियों की तुलना में बहुत बेहतर है। राष्ट्रीय स्तर पर अलख जगाने वाले बापू आसाराम जेल में बंद है। वहीं कुछ राज्यों में प्रभाव रखने वाले बाबा राम रहीम को जेल में फाइव स्टार जैसी सुविधाएं मिलती हैं। निश्चित रूप से जिसके ऊपर सरकार की कृपा हो, वह जेल में हो या आश्रम में हो, उसकी विशिष्टता कभी समाप्त नहीं होती है। यह बाबा राम रहीम ने साबित कर दिया है। बात रही न्यायालय के आदेश की, तो न्यायालय का काम ही सजा सुनाना है। न्यायालय अपना काम पूरा कर देती हैं। सरकार के नियंत्रण में जेल होती है। यदि सरकार मेहरबान है, तो दुष्कर्म और हत्या जैसे आरोपियों को भी जेल में व्हीवीआईपी ट्रीटमेंट मिल ही जाता है। बाबा राम रहीम पर जिस तरीके से सरकार की कृपा बरस रही है। उसके बाद आम लोगों के बीच में यह चर्चा, बड़ी आम हो गई है। यदि इस तरह के अपराधियों को सरकार इस प्रकार से सुविधाएं देगी, तो उन्हें फिर दंडित करने का क्या औचित्य है। हाल ही में बिलकिस बानो के सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिवार के 7 लोगों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा से गुजरात सरकार ने माफ़ी दी थी। जब इस मामले ने तूल पकड़ा, कई महीनों तक गुजरात सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में अपना जवाब ओर रिकॉर्ड पेश नहीं किया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगातार दबाव बनाने के बाद गुजरात सरकार ने अपना जवाब दिया। तब बिलकिस वानो वाले मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दोषियों की गुजरात सरकार द्वारा दी गई माफी को निरस्त करते हुए, जेल भेजने का आदेश दिया।

बिलकिस बानो के मामले में जिन कैदियों को जेल से रिहा किया गया था, उस समय गुजरात में विधानसभा के चुनाव थे। गुजरात में गोधरा कांड के बाद जो दंगे अहमदाबाद और गुजरात में हुए थे, उसके बाद सामूहिक नरसंहार के दोषी कैदियों को जेल से रिहा करने पर केंद्र सरकार और गुजरात सरकार की काफी किरकिरी हुई। इसके बाद भी गुजरात सरकार ने दोषियों को बचाने का हर संभव प्रयास किया। सुप्रीम कोर्ट को अपने फैसले में यह कहना पड़ा, कि गुजरात सरकार ने तथ्यों को छिपाकर गलत तरीके से कैदियों को रिहा किया था।

गुजरात सरकार को माफी देने का अधिकार ही नहीं था। बहरहाल गुजरात में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद भी कैदियों को जेल भेजने में लगातार कोताही बरती जा रही थी। जो कैदी छोड़े गए थे, वह पुनः सुप्रीम कोर्ट में याचिका लेकर पहुंच गए। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका निरस्त करते हुए 21 जनवरी तक जेल जाने के आदेश देकर, दोषियों के खिलाफ सख़्त रुख अपनाया है।

कुदरत के अचंभे, जिनके पीछे है जादुई इंजीनियरिंग!

आप सोचते है कि सिर्फ कलाकारी और शिल्पकारी करना इंसान ही जानता है, लेकिन इंसान यह जानते हुए भी भूल जाता है कि वो खुद इस कुदरत इस कायनात द्वारा निर्मित किया हुआ एक शिल्प है और इससे अद्भुत और क्या हो सकता है, जब यह कुदरत हमारे जैसा चलने-फिरने, क्रिएशन करने वाला, ईर्ष्या-द्वेष रखने वाला नमूना बना सकती है। तो इस कुदरत के आगोश में कुछ बेहतरीन कलाकृतियां क्यों नहीं हो सकतीं। कुछ ही नहीं इनकी संख्या अरबों-खरबों में है। बस जरूरत है इन्हें ढूंढने की और इसके लिए निकलना होगा हमें कांक्रीट के जंगलों से और जाना होगा प्रकृति की गोद में। जी हां जब आप यहां जाने का प्रयास करेंगे, तो आपकी आंखें फटी की फटी रह जाएंगी और आप वाकई बोल उठेंगे कि यह कौन चित्रकार है।

चिली की मार्बल केव

चिली की संगमरमर की ये गुफाएं इस तरह निर्मित है कि कोई इंसान भी इनमें अपनी क्या इंजीनियरिंग लगाएगा, वो इस कुदरत के करिश्मे के आगे पानी-पानी हो जाएगा। केररेरा लेक में है यह खूबसूरत कुदरत की कारीगरी। यह लेक अर्जेंटीना और चिली की सीमा पर है। यहां तीन गुफाएं हैं ऐसी, जिनमें द चेपल, द कैथेडरल और केव प्रमुख हैं। छोटी वोट से विजिटर यहां आते हैं। इस लेक का पानी ठंडा, शांत और कांच की तरह स्वच्छ है। लेकिन यहां भी इंसान अपनी धमक देने की योजना बना रहा है और इसको खतरा है यहां बनने वाले डेम से जिसकी योजना चल रही है।

लेक रेतवा या लेक रोज

केप वर्ट पेनिनसुला, सेनेगल में है ये लेक। इसका गुलाबी पनी यहां आने वालों के लिए रोमांच का कारण। इसका गुलाबी रंग डुनेलिएला सेलिना नामग एलगी के कारण होता है, जो पानी में लाल रंग का एक पिगमेंट पैदा करती है और ज्यादा ऊर्जा लेने के लिए सूर्य के प्रकाश का उपयोग करती है और पानी को गुलाबी बना देती है। लोगों को यह खून की नदी होने का भ्रम भी दे सकती है। ऊष्म मौसम में खासतौर पर यह रंग साफ दिखाई देता है। यह लेक अपने बहुत ज्यादा नमकीन पानी के लिए भी ख्याति रखती है। इस लेक में छोटी सी साल्ट इंडस्ट्री भी संचालित की गई है। इसे वर्ल्ड हेरिटेज संस्था द्वारा विश्व धरोहर की फेहरिस्त में भी स्थान दिए जाने पर विचार चल रहा है।

सालार डी इयूनि

यह दुनिया की सबसे बड़ी साल्ट फ्लेट कही जाती है और 10,582 स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र में फैला है अद्भुत नजारा। यह जगह बोलिविया में है। कई प्राचीन नदियों के संगम और उनकी प्राकृतिक क्रियाओं से इसका निर्माण हुआ है। कई मीटर तक इसका नमक इस तरह से जमा है और इतना चिकना है कि आप उसमें अपनी सूरत भी आईने की तरह देख सकते हैं और गजब की फिसलन है उसपर। यहां जो नमक है उसमें लीथियम की प्रचुर मात्रा मौजूद है। यहां पिंक फ्लेमिंगो ब्रीडिंग के लिए भी आते हैं और ये अद्भुत नजारे यहां आने वाले सैलानियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र होते हैं।

बुलबोउस रॉक्स इजिप्ट

इजिप्ट की बुलबोउस रॉक्स अपने अमेजिंग शेप्स और साइज के कारण दुनियाभर में चर्चित हैं। पश्चिमी इजिप्ट में यह जगह फाराफ्रा टॉउन से 28 मील की दूरी पर स्थित है। मशरूम का एक बड़ा गुच्छा भी यहां है और यहां आधागले बर्फ की आदमीनुमा संरचनाएं भी कौतुहल का केंद्र हैं। कहा जाता है कि जब प्राचीन सागर सूखा होगा, तो सूखी हुई परतें इस तरह टूटी होंगी और ताकतवर रेतीले तूफानों ने मजबूत चट्टानों को तोड़कर इस तरह की विचित्र आकृतियां बनाई होंगी।

सेलिंग स्टोन, डेथ वेली

किसी ने भी इस तरह किसी पत्थर को तैरते हुए नहीं देखा होगा। डेथ वेली के रेस ट्रेक पर आप इसे देख सकते हैं और इसके पीछे बना निशान इस बात का सबूत है कि यह पत्थर तैरा कभी अवश्य ही तैरा होगा। विशेषज्ञ खुद हैरत में है कि चट्टान जिसका वजन 100 पाउंड से भी कहीं ज्यादा है, वह इस तरह कैसे तैर सकती है। ऐसा कहा जाता है कि जब चट्टानें गीली और बर्फीली होती थीं तब तेज हवाएं उन्हें खींचती थीं और यह नजारा उसी का नतीजा है और 700 फीट लंबा यह निशान वाकई यहां आने वाले सैलानियों को हैरत में डाल सकता है।

ट्रेवरटाइन पूल्स पामुकेले, टर्की

जिस तरह से हमारे यहां भी कई नदियां और जलाश इसलिए प्रसिद्ध है कि उनमें स्नान करने से रोग का उपचार हो जाता है। ठीक इसी तरह यहां की मान्यता है कि इस जगह नहाने से कई रोगों खासकर चर्म रोगों से मुक्ति मिल जाती है। टर्की में है यह और इसके पानी में कार्बोनेट की प्रचुरता है। यहां 17 गर्म पानी के चश्मे हैं, जिनका पानी हमेशा गर्म और औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है।

एसबिरगी केनयान

एसबिरगी केनयान आइलैंड के उत्तर में स्थित है और हुसेविक के पूर्व में मात्र 50 मिनट की ड्राइविंग कर यहां पहुंचा जा सकता है। यहां की घोड़े की नाल या कह लें पैर नुमा एक कुदरती रचना वाकई यहां आने वाले सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, जो वेटनाजोकुल नेशनल पार्क का हिस्सा है और 3.5 कि.मी. क्षेत्र में फैला है। इसके बीच में 25 मीटर ऊंची एक चट्टान भी है जिसे आइजेन कहा जाता है। इसके ऊपर से सैलानी यहां का बेहतरीन नजरा लेते हैं।

यह कुदरती करिश्मा बना है केटास्ट्राफिक गलेशियल फ्लुडिंग से निर्मित हुई है और इसे 8-10,000 साल पूर्व का प्राकृतिक निर्माण माना जाता है। यहां के अद्भुत नजारे के लिए दुनियाभर से सैलानी आते रहते हैं। यहां के रहस्य और रोमांच से जुड़ी और भी कई सारी कहानियां हैं।

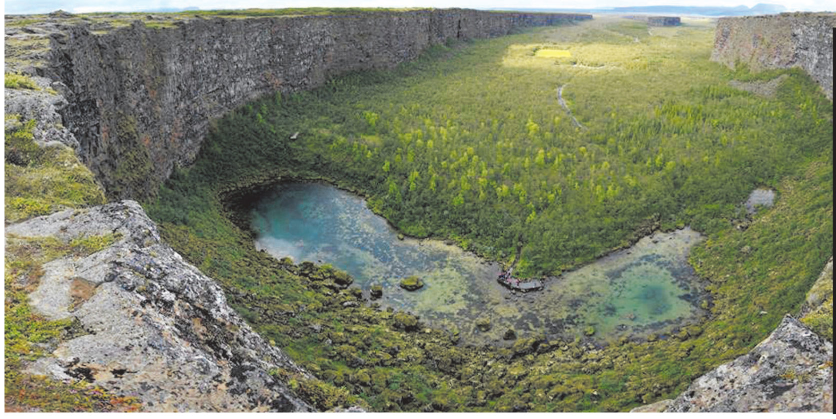

भारत का अनूठा मोम संग्रहालय

एक ऐसा गांव जहां किसान हल और बैल के साथ खड़े मिलेंगे। गांव की औरतें कुएं में पानी भरने जाती हुई दिखेंगी। बच्चे पेड़ के नीचे गुरु कुल शैली में पढ़ाई कर रहे हैं, किसान खेत में भोजन कर रहे हैं और आस-पास पशु चारा चर रहे हैं। गांव के घरों का घर-आंगन और विभिन्न कार्य करते लोग, लेकिन सब कुछ स्थिर.. ठहरा हुआ फिर भी एकदम सजीव और जीवंत।

यह किसी भारतीय गांव का नजारा हो सकता है, पर जिस नजारे की बात हम यहां कर रहे हैं, वह एक ऐसे अनूठे संग्रहालय का नजारा है, जो लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय का भारतीय ग्रामीण संस्करण भी कहा जा सकता है। महाराष्ट्र में कोल्हापुर को न सिर्फ दक्षिण की 'काशी,' बल्कि महालक्ष्मी के आवास के रूप में भी जाना जाता है। कोल्हापुर से केवल दस किलोमीटर की दूरी पर एक छोटा-सा शांत गांव है- कनेरी, जहां पर बना है देश के प्राचीनतम मठों में गिना जाने वाला 'सिद्धगिरी मठ।' सिद्धगिरी मठ भारत का एक मात्र मोम संग्राहलय है, जिसकी नींव जुलाई 2007 में रखी गयी थी। इस संग्रहालय की स्थापना करने वाले 'सिद्धगिरि गुरु कुल ट्रस्ट' के प्रमुख अदृश्य कधिसद्धेश्वर स्वामी जी हैं। आठ एकड़ के खुले क्षेत्र में फैली यह जगह गांव की दुनिया की झलक दिखलाती है। आज पूरे देश में यह अपने आप में इकलौता और अनूठा म्यूजियम कहलाता है। इस संग्रहालय में बड़े-बड़े हीरो-हीरोइन की मूर्तियां नहीं बल्कि भारत के ग्रामीण इलाकों में रहने वालों की जिंदगी की छवियों को मूतियों में समेटने की कोशिश की गयी है। इस संग्रहालय की स्थापना लंदन के मैडम तुसाद मोम संग्रहालय से प्रेरित होकर जरूर ली गई है, लेकिन यह संग्रहालय महात्मा गांधी की विचारधारा से प्रभावित है। गांधीजी हर गांव को आत्मनिर्भर देखना चाहते थे। वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था में अहम स्थान दिलाना चाहते थे। यह संग्रहालय भी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की महत्ता को दर्शाता है। इस संग्रहालय की इन तसवीरों के जरिये हम यहां आपको दिखा रहे हैं ग्रामीण जीवन के विभिन्न दृश्य। इसमें कहीं खेती-बाड़ी है तो कहीं हंसी-ठिठोली करती महिलाओं की झलक! संग्रहालय में कई प्राचीन संतों की मूर्तियां हैं। उदाहरण के लिए एक पेड़ के नीचे महर्षि पतंजलि को प्राचीन शैली में कक्षा लेते दिखाया गया है। कुछ ही मीटर की दूरी पर महर्षि कश्यप को एक रोगी का इलाज करते दिखाया गया है। यहां महर्षि कणाद को वैज्ञानिक शोध में लीन देखा जा सकता है, वहीं महर्षि वराहमिहिर ग्रह-नक्षत्रों की दुनिया से अपने शिष्यों को अवगत कराते नजर आते हैं। ईंट, पत्थरों से निर्मित इस संग्रहालय में प्रतिमाओं का निर्माण सीमेंट से किया गया है। इसके लिए करीब 80 कुशल मूर्तिकारों की सेवा ली गयी है। इसके प्रबंधक इसे खुला प्रदर्शन परिसर कहना पसंद करते हैं, जहां की मूर्तियां बारिश, गर्मी आदि को झेलने के बावजूद अपनी चमक बनाई हुई हैं।

शेयर बाजार बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार में शनिवार को विशेष कारोबार हुआ और ये बढ़त के साथ बंद हुआ। दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी के कारण बाजार में ये तेजी आयी है। आखिरी सत्र में बाजार में सीमित दायरे में कारोबार हुआ। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में खरीदारी रही। कारोबार के अंत में तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 259.58 अंक करीब 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 71,423.65 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 37.65 अंक यानी 0.23 फीसदी की गिरावट के साथ 21571.80 के स्तर पर बंद हुआ। कोल इंडिया, अडानी पोर्टस, अडानी इंटरप्राइजेस , कोटक महिन्द्रा और पावर ग्रिड कारपोरेशन निफ्टी के सबसे अधिक लाभ वाले शेयर रहे जबकि एचयूएल, एमएंडएम, टीसीएस इंडसइंड बैंक और एचसीएल टैक्नोलोजीस के शेयर गिरे। इससे पहले गत सत्र में भी बाजार बढ़त पर बंद हुआ था।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, एनटीपीसी, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा और आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, बजाज फिनसर्व के शेयरों में सबसे ज्यादा उछाल रहा। वहीं दूसरी ओर एचयूएल, विप्रो, अल्ट्राटेक, टीसीएस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इन्फोसिस, एचसीएल टेक के शेयर नुकसान में रहे। एचयूएल और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर दिसंबर तिमाही के परिणामों के बाद दबाव में नजर आये। सुबह के कारोबार में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 0.18 फीसदी नीचे आकर 2,730 रुपये पर रहा। हालांकि, बाद में कंपनी का शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आया। इसके अलावा शुरुआती कारोबार में हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का शेयर 2.68 फीसदी नीचे आकर 2,496 रुपये पर रहा। इससे पहले आज सुबह विश्व बाजारों से मिले मजबूत संकेतों की वजह से बाजार की सकारात्मक शुरुआत हुई है। विशेष सत्र में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 250.08 अंक उछलकर 71,933.31, एनएसई निफ्टी 75.80 अंक चढ़कर 21,698.20 अंक पर खुला। शेयर बाजार में आज विशेष कारोबार हुआ।

रबी सत्र में गेहूं रकबा बढ़ा, दलहन का घटा

नई दिल्ली । गेहूं का कुल रकबा फसल वर्ष 2023-24 जुलाई-जून के चालू रबी सत्र में 340 लाख हेक्टेयर को पार कर गया है। वहीं दलहन का रकबा कम रहा है। हाल ही में जारी किए गए कृषि मंत्रालय के आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। अक्टूबर में शुरू हुई रबी की मुख्य फसल गेहूं की बुवाई पूरी हो चुकी है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पंजाब शीर्ष तीन राज्य हैं जहां गेहूं खेती के तहत अधिकतम क्षेत्रफल है। मंत्रालय के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार चालू रबी सत्र में 19 जनवरी तक 340.08 लाख हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हो चुकी है, जबकि एक साल पहले की अवधि में 337.50 लाख हेक्टेयर में बुवाई की गई थी। एक ओर जहां मोटे अनाज और तिलहन का रकबा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक रहा, वहीं इस रबी सत्र में दाल और धान का रकबा कम रहा। रबी सत्र 2023-24 में दाल की बुवाई 155.13 लाख हेक्टेयर में हुई है, जो पिछले साल 162.66 लाख हेक्टेयर से कम है। आंकड़ों से पता चलता है कि चना, उड़द और मूंग का रकबा कम रहा। हालांकि, चालू रबी सत्र में अब तक मसूर का रकबा 19.51 लाख हेक्टेयर से अधिक है, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह 18.46 लाख हेक्टेयर था। धान का रकबा भी घटकर 28.25 लाख हेक्टेयर रह गया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में 29.33 लाख हेक्टेयर था। आंकड़ों के अनुसार चालू रबी सत्र में अब तक मोटे अनाज का कुल क्षेत्रफल 53.83 लाख हेक्टेयर है, जो एक साल पहले की अवधि में 50.77 लाख हेक्टेयर था।

जियो ट्रू 5जी नेटवर्क से जुड़े नौ करोड़ से ज्यादा ग्राहक जुड़े

नई दिल्ली । रिलायंस जियो ने कहा कि उसके ट्रू 5जी नेटवर्क से नौ करोड़ से ज्यादा ग्राहक जुड़ गए हैं। कंपनी ने कहा कि उसके कुल ग्राहकों की संख्या 47 करोड़ को पार कर गई है। रिलायंस जियो ने चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही अक्टूबर-दिसंबर, 2023 के नतीजे जारी करते हुए कहा कि जियो नेटवर्क पर कुल डेटा खपत 31.5 फीसदी बढ़कर 38.1 अरब जीबी हो गई है। रिलायंस जियो के कुल डेटा ट्रैफिक का करीब एक चौथाई जियो ट्रू 5जी नेटवर्क पर आ गया है। इस हिसाब से नौ अरब जीबी से अधिक का डेटा ट्रैफिक लोड अब जियो का 5जी नेटवर्क संभाल रहा है। कंपनी ने बताया कि रिलायंस जियो पर बात करने का समय भी बढ़कर 1.37 लाख करोड़ मिनट हो गया है। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश एम अंबानी का कहना है कि जियो ने दुनिया का सबसे तेजी से 5जी का क्रियान्वयन पूरा कर लिया है और अब यह पूरे भारत में उपलब्ध है। अगली पीढ़ी के नेटवर्क, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और सभी ग्राहक समूहों के लिए विशेष रूप से निर्मित उत्पादों में जियो का निवेश आने वाले वर्षों में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करेगा।

हिंदुस्तान जिंक का मुनाफा घटकर 2,028 करोड़ रहा

नई दिल्ली । हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) का मुनाफा दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही के दौरान छह प्रतिशत कम होकर 2,028 करोड़ रुपये रहा। इसका मुख्य कारण आय का कम होना रहा है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान उसने 2,156 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। कंपनी का लाभ तिमाही आधार पर जुलाई-सितंबर तिमाही के 1,729 करोड़ रुपये के मुकाबले 17 फीसदी बढ़ा। आलोच्य तिमाही के दौरान कंपनी की कुल आय एक साल पहले के 8,214 करोड़ रुपये से घटकर 7,606 करोड़ रुपये रह गई। इसका खर्च 4,937 करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 5,028 करोड़ रुपये था।

कोटक बैंक को 3,005 करोड़ का प्रॉफिट

मुंबई ।

कोटक महिंद्रा बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे जारी किए हैं। तीसरी तिमाही में बैंक की कुल ब्याज आय सालाना आधार पर 5,652.9 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,553.5 करोड़ रुपए हो गई है। वहीं नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 2,791.9 करोड़ रुपए से बढ़कर 3,005 करोड़ रुपए हो गया है। बैंक का ग्रॉस एनपीए तिमाही आधार पर 1.72 प्रतिशत से बढ़कर 1.73 प्रतिशत हो गया है। वहीं नेट एनपीए 0.37 प्रतिशत से घटकर 0.34 प्रतिशत रह गया है। अच्छे रिजल्ट के बाद बैंक के शेयर में 2 से ज्यादा की तेजी देखने को मिली है।

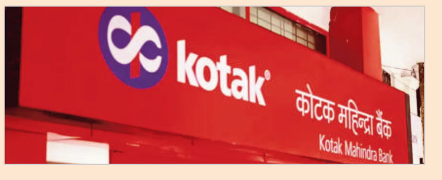

सेल के 2 बोर्ड मेंबर्स सस्पेंड

नियमों के उल्लंघन के चलते 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित किया

नई दिल्ली । स्टील मिनिस्ट्री ने सरकारी स्टील कंपनी सेल के 2 बोर्ड मेंबर्स और एनएमडीसी के एक डायरेक्टर को सस्पेंड कर दिया है। दोनों कंपनियों ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि तीनों को मिसकंडक्ट के चलते सस्पेंड किया गया है। स्टील पीएसयू ने फाइलिंग में कहा कि सेल ने कोड ऑफ कंडक्ट यानी नियमों के उल्लंघन के लिए 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया है। फाइलिंग में बताया गया है कि स्टील मिनिस्ट्री ने 19 जनवरी को स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के कमर्शियल डायरेक्टर वीएस चक्रवर्ती और फाइनेंस डायरेक्टर ए.के. तुलसियानी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन दोनों के अलावा मिनिस्ट्री ने एनएमडीसी लिमिटेड के कमर्शियल डायरेक्टर वी. सुरेश को भी तत्काल प्रभाव से सस्पेंड किया है।

लोकपाल के निर्देशों के अनुसार जांच

सेल ने यह भी कहा कि कंपनी के 26 सीनियर ऑफिशियल्स को भी तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जिनमें एसके शर्मा, विनोद गुप्ता, अतुल माथुर और आरएम सुरेश शामिल हैं। इसके अलावा सेल ने बताया कि यह मुद्दा लोकपाल के निर्देशों के अनुसार की जा रही कुछ जांचों से संबंधित है। सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने कहा, कंपनी का कारोबार सामान्य रूप से चल रहा है और इसका कंपनी के प्रदर्शन पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। हम कॉर्पोरेट प्रशासन और नैतिक आचरण के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। सेल क्वालिटी और कस्टमर सेटिस्फेक्शन पर फोकस करते हुए इंडस्ट्री में मजबूती से बने हुए है।

जावा 350 मोटरसाइकल भारत में पेश

-कंपनी की नए मॉडल लांच करने की है योजना

नईदिल्ली ।

महंगी बाइक्स बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड से प्रतिस्पर्धा करने के लिए क्लासिक लीजेंड्स कंपनी ने अपनी जावा 350 मोटरसाइकल पेश की है। इतना ही नहीं, कंपनी ने इस साल कई नए मॉडल उतारने की योजना बनाई है। ये वाहन मौजूदा सेगमेंट (190सीसी-250सीसी) की जरूरत पूरी करेंगे। जावा येजदी के मुख्य कार्याधिकारी आशिष सिंह ने कहा, 'हम अपने डीलरशिप की संख्या मौजूदा 423 से बढ़ाकर इस साल दो साल में 750 करना चाहते हैं। हमारा जोर मौजूदा क्षेत्रों में पहुंच बढ़ाने तथा नए बाजारों में पहुंचने पर रहेगा। उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले प्रदेशों पर ध्यान केंद्रित कर दक्षिण और पश्चिम क्षेत्रों में बड़े अवसरों की पहचान की गई है।' पिछले वर्ष जनवरी में निर्यात शुरू करने वाली क्लासिक लीजेंड्स मौजूदा समय में एशियाई बाजारों पर अपना ध्यान बढ़ा रही है और इसकी शुरुआत उसने फिलीपींस के साथ की है। इसके अलावा, वह आने वाले वर्षों में जापान, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भी अवसर तलाश रही है। उन्होंने कहा, 'हम ब्रिटेन में एक तकनीकी उन्नयन कंसोर्टियम की मदद से इलेक्ट्रिक मॉडल तैयार कर रहे हैं। कंपनी अनुकूल बाजार हालात का सतर्कता के साथ इंतजार कर रही है, जिसके तहत इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल पेश करने से पहले इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास एवं उपभोक्ताओं की दिलचस्पी का आकलन शामिल है। भले ही इलेक्ट्रिक प्रोटोटाइप मौजूद है, हम परिस्थितियां अनुकूल होने पर बाजार में प्रवेश करने में सतर्कता बरतते हैं।'

बीएसए ब्रांड के संबंध में, क्लासिक लीजेंड्स ने बैंकों के साथ चल रही बातचीत और बाजार में प्रवेश करने की योजनाओं को साझा किया है। बता दें कि जावा और येजदी ब्रांडों की मालिक क्लासिक लीजेंड्स कायाकल्प योजना पर काम कर रही है। कंपनी भारत में अपने डीलरशिप को संख्या दोगुनी करने, ज्यादा मॉडल पेश करने से लेकर एशियाई बाजारों के लिए निर्यात पर ध्यान बढ़ाना चाहती है।

दिसंबर में बाजार में आएगा भारत में बना पहला सेमीकंडक्टर चिप: वैष्णव

नई दिल्ली ।

संचार, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत में बना पहला मजबूत सेमीकंडक्टर चिप दिसंबर तक बाजार में आ जाएगा। उन्होंने पूरे परिवेश पर ध्यान केंद्रित करने के साथ कम समय में देश में एक बहुत मजबूत सेमीकंडक्टर उद्योग विकसित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिया। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक बैठक से पहले मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जनवरी 2022 में एक सेमीकंडक्टर नीति शुरू की थी। जब उन्होंने यहां उद्योग के वरिष्ठ प्रतिनिधियों से मुलाकात की थी तब वे सभी इस बात से हैरान थे कि इतने कम समय में ऐसा कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन सभी ने नीति तथा इस तथ्य की सराहना की कि प्रधानमंत्री मोदी ने हमेशा एक व्यापक परिवेश बनाने पर जोर दिया है क्योंकि कई देशों के पास इस तरह की नीति नहीं है और इसलिए उन्हें ऐसी सफलता नहीं मिल सकी। वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने हमेशा एक ऐसा परिवेश विकसित करने पर ध्यान

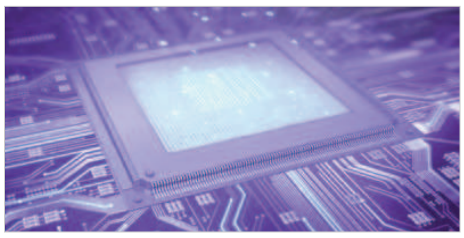

केंद्रित किया है जहां प्रतिभा पर बहुत अधिक ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि 104 विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू पहले से ही मौजूद हैं, उनके पाठ्यक्रम को संशोधित किया जा रहा है, एक अलग निवेश योजना के साथ डिजाइन पर अधिक ध्यान दिया गया है। कई डिजाइन कंपनियों को इससे फायदा मिला है और वे धीरे-धीरे मूल्य श्रृंखला में आगे आ रही हैं। इन सभी को दुनिया भर की कंपनियों से काफी सराहना मिल रही है।

हुंडई ने जनरल मोटर्स का तलेगांव संयंत्र का अधिग्रहण पूरा किया

नई दिल्ली । हुंडई मोटर इंडिया (एचएमआईएल) ने कहा कि उसने महाराष्ट्र में जनरल मोटर्स इंडिया के तलेगांव संयंत्र की परिसंपत्तियों का अधिग्रहण पूरा कर लिया है। कंपनी ने राज्य में 6,000 करोड़ रुपये के निवेश की भी योजना बनाई है। दक्षिण कोरियाई कार निर्माता ने उस रा शि का खुलासा नहीं किया है जो वह इस संयंत्र को खरीदने के लिए अमेरिकी कंपनी को भुगतान करेगी। मारुति सुजुकी इंडिया के बाद भारत में दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता एचएमआईएल ने शुरू में तलेगांव संयंत्र में परिसंपत्तियों की संभावित खरीदारी के लिए जनरल मोटर्स के साथ समझौता किया था। तलेगांव में निर्माण इकाई बंद करने के लिए जनरल मोटर्स इंडिया की राह आसान करते हुए बंबई उच्च न्यायालय ने जनरल मोटर्स कर्मचारी यूनियन की दो याचिकाओं को इस महीने के शुरू में ही निपटारा कर दिया था। यूनियन ने संयंत्र बंद करने के लिए जनरल मोटर्स को अनुमति देने के संबंध में औद्योगिक न्यायाधिकरण के आदेश को चुनौती दी थी। न्यायालय ने औद्योगिक न्यायाधिकरण के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें 2021-22 तक 9656.87 करोड़ रुपये के कुल घाटे को ध्यान में रखते हुए जनरल मोटर्स को संयंत्र बंद करने की अनुमति दी गई थी।

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आरआईएल का मुनाफा 9.3 फीसदी बढ़ा

- कंपनी की आय 3.9 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपये रही

नई दिल्ली ।

तेल से दूरसंचार तक के कारोबारों करने वाली रिलायंस इंड्रस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 9.3 फीसदी बढ़ गया। कंपनी के ऊर्जा कारोबार में जो गिरावट आई, उसकी भरपाई रिटेल और दूरसंचार कारोबार बढ़ने से हो गई। आरआईएल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा कि कंपनी का न्यू एनर्जी गीगा कॉम्प्लेक्स इस साल की दूसरी छमाही में चालू हो जाएगा। वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में आरआईएल का मुनाफा पिछले साल अक्टूबर-दिसंबर के मुकाबले 9.3 फीसदी बढ़कर 17,265 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की आय 3.9 फीसदी बढ़कर 2.25 लाख करोड़ रुपये रही। तिमाही में कर चुकाने के बाद कंपनी का मुनाफा साल भर पहले की तुलना में 10.9 फीसदी बढ़कर 19,641 करोड़ रुपये रहा। मगर इसी वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के मुकाबले कंपनी का मुनाफा 0.7 फीसदी और आय 2.9 फीसदी घट गया। ब्लूमबर्ग में आरआईएल का प्रदर्शन बाजार के अनुमान से हल्का रहा। एक सर्वेक्षण में 8 विश्लेषकों ने अनुमान लगाया था कि कंपनी की आय 2.32 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच जाएगी। आरआईएल ने कहा कि उपभोक्ता कारोबार में निरंतर इजाफे से उसकी आय बढ़ी है। रिलायंस की रिटेल इकाई की आय चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 74,373 करोड़ रुपये रही, जो पिछले साल की समान अवधि से 23.8 फीसदी अधिक है। दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स की आय 11.3 फीसदी बढ़कर 27,697 करोड़ रुपये रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बताया कि उसका एबिटा वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 16.7 फीसदी बढ़कर 44,678 करोड़ रुपये रहा। रिलायंस जियो का संचालन करने वाली कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स का मुनाफा 11.6 फीसदी बढ़कर 5,445 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कंपनी की परिचालन आय 11.3 फीसदी बढ़कर 27,697 करोड़ रुपये रही। तीसरी तिमाही में रिलायंस जियो की प्रति उपयोगकर्ता औसत आय 181.7 रुपये रही, जो पिछले साल की समान तिमाही में 178.2 रुपये थी।

हरियाणा-उप्र को जोड़ने वाली नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर की हो सकती है घोषणा

- नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर परियोजना पर 7,500 करोड़ खर्च होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार अगले महीने 1 फरवरी को आगामी अंतरिम बजट प्रस्तुत करेगी जिसमें हरियाणा और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाली एक नई दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर परियोजना की घोषणा होने की उम्मीद है।

7,500 करोड़ रुपये की अनुमानित खर्च वाली यह परियोजना दिल्ली के रिठाला से हरियाणा के कुंडली को जोड़ेगी। एक रिपोर्ट के अनुसार विस्तृत परियोजना रिपोर्ट जमा कर दी गई है और मंजूरी अंतिम दौर में है। यह परियोजना दिल्ली मेट्रो के चौथे फेज की परियोजना का छठा और अंतिम कॉरिडोर होगी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) का कहना है कि इस फेज में पांच अतिरिक्त कॉरिडोर शामिल हैं। उनमें से जनकपुरी पश्चिम से आर.के. आश्रम, तुगलकाबाद से दिल्ली एयरोसिटी और मजलिस पार्क से मौजपुर वर्तमान में कार्यान्वयन चरण में हैं। बाकी दो कॉरिडोर इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ और लाजपत नगर से साकेत जी ब्लॉक हैं।

दिल्ली मेट्रो फेज-4 पर काम दिसंबर 2019 में शुरू हुआ था, लेकिन 2020 में कोविड महामारी के कारण बाधित हो गया। डीएमआरसी के एक वे रिष्ठ अधिकारी की उम्मीद है कि सुनिश्चित अब इस फेज का पहला खंड जुलाई 2024 तक खुलने की उम्मीद है। इसके अतिरिक्त, एक छोटा सा 2.5-3 किलोमीटर जनकपुरी पश्चिम-आरके आश्रम मार्ग कॉरिडोर के चालू होने की उम्मीद है और पूरे मजलिस पार्क-मौजपुर कॉरिडोर को मार्च 2025 तक खोलने की योजना है।

24 दिसंबर को दिल्ली मेट्रो के संचालन के 21 साल पूरे हो गए, इसकी शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में हुई थी। 2002 में प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने रेड लाइन पर शाहदरा से तीस हजारी तक 8.4 किलोमीटर और छह स्टेशनों को कवर करने वाले शुरुआती खंड का उद्घाटन किया था।

तब से नेटवर्क में काफी वृद्धि हुई है, जो 393 किलोमीटर की दूरी के साथ 288 स्टेशनों तक पहुंच गया है। पिछले साल 4 सितंबर को 70 लाख लोगों ने मेट्रो का इस्तेमाल किया और एक नया रिकॉर्ड बनाया।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.63 अरब डॉलर बढ़ा

- स्वर्ण भंडार 24.2 करोड़ डॉलर कम होकर 47.247 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में 1.63 अरब डॉलर बढ़कर 623.20 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में देश का कुल मुद्रा भंडार 5.89 अरब डॉलर घटकर 617.3 अरब डॉलर हो गया था। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल से वैश्विक गतिविधियों के कारण दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपये की विनिमय दर बनाए रखने के लिए मुद्रा भंडार का उपयोग किया। इससे मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 12 जनवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.859 अरब डॉलर बढ़कर 548.508 अरब डॉलर हो गई। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.96 अरब डॉलर घटकर 546.65 अरब डॉलर रही थी। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आरबीआई के अनुसार स्वर्ण भंडार का मूल्य 24.2 करोड़ डॉलर कम होकर 47.247 अरब डॉलर हो गया। पिछले सप्ताह 29 दिसंबर को समाप्त हुए सप्ताह के दौरान भी स्वर्ण भंडार का मूल्य 83.9 करोड़ डॉलर घटकर 47.48 अरब डॉलर हो गया था। विशेष आहरण अधिकार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.31 अरब डॉलर हो गया। 29 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में यह 6.7 करोड़ डॉलर घटकर 18.29 अरब डॉलर रहा था। इसी सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 60 लाख डॉलर बढ़कर 4.872 अरब डॉलर हो गया। 29 दिसंबर के आरबीआई के डेटा में इसमें भी गिरावट देखने को मिली थी। उस समय आईएमएफ के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 2.6 करोड़ डॉलर घटकर 48.66 अरब डॉलर रह गया था।

चाय उत्पादन में जैव-कीटनाशकों का उपयोग किया जाए: खाद्य नियामक

नई दिल्ली ।

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने चाय उत्पादन की सुरक्षा और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए जैव-कीटनाशक का उपयोग करने को कहा। एफएसएसएआई के सीईओ राव ने असम के केलीडेन में आयोजित एक सत्र के दौरान चाय उत्पादकों और चाय बागान मालिकों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस कार्यक्रम में एफएसएसएआई, चाय बोर्ड, चाय अनुसंधान संस्थान, चाय बागान मालिकों, चाय प्रसंस्करणकर्ताओं, उद्योग संगठनों और राज्य के खाद्य एवं औषधि विभाग के अधिकारियों सहित प्रमुख अंशधारकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई।

चर्चा का केंद्र बिंदु कच्चे माल का उद्गम स्थान और परीक्षण संबंधी उपायों को बढ़ाना, कीटनाशक अवशेषों के लिए प्रत्येक खेप की निगरानी को आवश्यकता पर जोर दिया और वर्ष 2011 के खाद्य सुरक्षा और मानक विनियमों (एफएसएसआर) में निर्धारित कीटनाशकों के उपयोग की अधिकतम अवशेष सीमा (एमआरएल) का पालन करना था। बयान में कहा गया, राव ने जैव-कीटनाशकों को अपनाने के महत्व पर जोर दिया और संयुक्त निरीक्षण, नमूनाकरण और परीक्षण प्रक्रियाओं के लिए चाय बोर्ड के साथ सहयोग को प्रोत्साहित किया। सत्र के दौरान टी बोर्ड ने बागान मालिकों के बीच जागरूकता अभियानों के महत्व पर जोर दिया ताकि उन्हें सुरक्षित कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करने के लिए कठोर के अंतराल के रखरखाव के बारे में शिक्षित किया जा सके। बागान मालिकों ने चाय की खेती में अनधिकृत कीटनाशकों के इस्तेमाल पर चिंता जताई और राज्य सरकार से ऐसे पदार्थों पर प्रतिबंध लगाने का आग्रह किया।

बीसीसीआई ने किया टीम का ऐलान, रिंकू सिंह और तिलक वर्मा को मिला मौका

मुम्बई (एजेंसी)। बीसीसीआई ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ होने वाली आखिरी दो मैचों के लिए टीम का ऐलान किया है। वहीं इस टीम में बोर्ड ने रिंकू सिंह को शामिल किया है। बोर्ड ने अहमदाबाद में इंडिया ए और इंग्लैंड लॉयंस के बीच होने वाले अंतिम दो मैचों के लिए टीम का ऐलान किया। ये दोनों ही मैच 24 जनवरी और 1 फरवरी से शुरू होंगे और चार दिवसीय होंगे। दोनों ही टीमें सीरीज जीतने के लिए खूब जोर आजमाइश करेंगी।

इसके उल्ट 19 साल के कीपर बल्लेबाज कुमार कुशाग्र जो आईपीएल 2024 नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स की टीम में 7.2 करोड़ रुपये में शामिल हुए हैं। उनको भी पहली बार ए टीम में मिला है।

रिंकू सिंह चौथे और अंतिम अनऑफिशियल टेस्ट के लिए सरफराज खान की जगह लेंगे। जबकि अर्शदीप सिंह को भी मौका मिला है। वहीं हैदराबाद के लिए रणजी ट्रॉफी में अच्छे प्रदर्शन के बाद तिलक वर्मा को इस टीम में वापसी हुई है।

दूसरे मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, सरफराज खान, तिलक वर्मा, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, सौरव कुमार, अर्शदीप सिंह, तुषार देशपांडे, विद्वत कवेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल।

तीसरे मल्टी-डे गेम के लिए भारत ए टीम- अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, कुमार कुशाग्र, वाशिंगटन सुंदर, शम्स मुलानी, अर्शदीप सिंह, तुषार देशपांडे, विद्वत कवेरप्पा, उपेंद्र यादव, आकाश दीप, यश दयाल।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी इगा स्वियातेक शनिवार को यहां तीसरे दौर के संघर्षपूर्ण मैच में विश्व में 50वें नंबर की खिलाड़ी लिंडा नोसकोवा से हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। चेक गणराज्य की खिलाड़ी नोसकोवा ने स्वियातेक को 3-6, 6-3, 6-4 से पराजित करके टूर्नामेंट का बड़ा उलटफेर किया। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता स्वियातेक ऑस्ट्रेलियाई ओपन में कभी सेमीफाइनल से आगे नहीं बढ़ पाई हैं।

दूसरी तरफ 19 वर्ष की नोसकोवा पहली बार इस टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेल रही है। स्वियातेक ने पहले दो दौर में 2020 की ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सोफिया केनिन और 2022 की फाइनलिस्ट डेनियल कोलिंस को हराया था। तीसरे दौर में हार से उनका पिछले 18 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया।

चेक गणराज्य की खिलाड़ी के खिलाफ पहला सेट जीतने के बाद स्वियातेक की लय गड़बड़ा गई। नोसकोवा ने दूसरे सेट के सातवें गेम में ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद अगले 12 में से 11 अंक हासिल किए और मैच को बराबरी पर ला दिया। नोसकोवा ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने लगातार 4 अंक जीते और ऐस लगाकर मैच प्वाइंट हासिल किया। स्वियातेक का फोरहैंड बाहर जाने से उन्होंने मैच अपने नाम किया।

पूर्व पाक क्रिकेटर शोएब मलिक ने अभिनेत्री सना से शादी की

लाहौर (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक ने भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा से तलाक की खबरों के बीच ही अब अभिनेत्री सना जावेद से शादी की है। इन दोनो की शादी की तस्वीर भी सामने आयी हैं। इससे पहले दोनों के बीच डेटिंग की खबरें सामने आई थी जो अब शादी में बदल गयीं। शोएब और सानिया के तलाक की अभी तक कोई अधिकारिक घोषणा नहीं हुई हालांकि पिछले काफी समय से इनके तलाक की अटकलें लगायी जा रहीं थीं। शोएब और सना दोनो की ही ये दूसरी शादी है। सना भी तलाकशुदा हैं। सना ने साल 2020 में उमैर जसवाल के साथ शादी की थी पर जल्द ही उनका तलाक हो गया। 28 साल की सना पाक के कई टीवी शो में भी आती हैं। इसके अलावा उन्होंने कई म्यूज़िक वीडियो में भी अभिनय किया है।

वहीं हाल ही में सानिया मिर्जा ने एक पोस्ट साझा कर कहा था कि जिंदगी आसान नहीं होती। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा था कि शादी और तलाक का फैसला कठिन होता है। इसके अलावा उन्होंने शोएब की तस्वीरें भी अपने अकाउंट से हटा दी थीं। तभी से उनके और शोएब के साथ अलग होने की अफवाहों को बल मिला था। सानिया ने शायराना अंदाज में कहा था, शादी कठिन है, तलाक कठिन है अपना कठिन चुनें। साथ ही कहा मोटापा कठिन है फिट रहना कठिन है। अपना कठिन चुनें। कर्ज में डूबना कठिन है। आर्थिक रूप से अनुशासित रहना कठिन है। अपना कठिन चुनें। संचार कठिन है। संवाद न करना कठिन है। दिमाग का इस्तेमाल कर अपना कठिन चुनें जिंदगी कभी आसान नहीं होगी। यह हमेशा कठिन रहेगी।

टाटा को मिले आईपीएल 2028 तक के टाइटल राइट्स, बीसीसीआई को देगा हर साल 500 करोड़

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल से जुड़ा एक बड़ा अपडेट सामने आया है। टाटा ग्रुप ने 2028 तक आईपीएल के टाइटल राउट्स 2028 तक रिटेन कर लिए। इस समझौते में प्रति सीजन 500 करोड़ रुपये तक योगदान टाटा ग्रुप करेगा।

बीसीसीआई ने टाटा को सौंपे राइट्स

टाटा ग्रुप ने 2500 करोड़ रुपये के वैल्यूएशन के लिए आदित्य बिड़ला ग्रुप द्वारा किए गए ऑफर की बराबरी की। इसके बाद बीसीसीआई ने टाटा ग्रुप को टाइटल राइट्स सौंपने का निर्णय लिया।

बोर्ड ने 2024-2028 के पांच सीजन के लिए टाइटल राइट्स का बेस प्राइज 1,750 करोड़ रुपये निर्धारित किया था। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने पांच साल के लिए 2,500 करोड़ रुपये के आधार मूल्य से ऊपर की बोली लगाई थी। लेकिन राइट टू मैच विकल्प का इस्तेमाल करने का फैसला लिया और इसे अपने पास बरकरार रख लिया। बीसीसीआई ने 12 दिसंबर 2023 को टेंडर जारी किया था।

एकदिवसीय विश्वकप की हार को इस कारण नहीं भूल पा रहे रोहित, अब टी20 विश्वकप पर हैं नजरें

मुम्बई(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली हार को भुला नहीं पाये हैं। यह इसलिए कि रोहित इस खिताब को सबसे बड़ा पुरस्कार मानने हैं इसलिए इससे जीतना चाहते थे। भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन किया था और वह सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी लेकिन वहां उसे ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। इसी कारण रोहित अब भी उस हार को अभी तक नहीं भुला पाए हैं। वहीं रोहित से जब उस हार के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह हार के बारे में अब ज्यादा नहीं सोचना चाहते हैं क्योंकि उस हार से उन्हें और टीम को काफी दुख हुआ था।

रोहित ने कहा देखिए, मैं अभी इसके बारे में नहीं सोचना चाहता। मेरा मानना है कि 50 ओवर का विश्व कप सबसे बड़ा पुरस्कार है। इसका मतलब ये नहीं है कि मैं टी20 विश्व कप या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप को अहम नहीं समझता हूं पर हम 50 ओवरों का विश्व कप देखकर बड़े हुए हैं और देश में ही होने के कारण ये और भी अहम हो गया था।

उन्होंने कहा हमने हार से बचने की कोशिश की थी पर उसमें सफल नहीं हो पाये। इस कारण पूरी टीम के साथ ही प्रशंसक भी निराश हो गये थे। अब हमारे पास टी20 विश्वकप को जो अवसर है, हम उसमें जीतने की कोशिश करेंगे। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जून में शुरु होने वाला है। ऐसे में रोहित और टीम इंडिया की नजरें पिछली सभी निराशाओं को भुलाकर इस विश्व कप को जीतने पर होगी।

अखिल भारतीय स्नूकर ओपन में आडवाणी ने चड्ढा को हराकर खिताब जीता

मुंबई। बेंगलुरु के पंकज आडवाणी ने शुक्रवार को यहां मुंबई के इशप्रीत सिंह चड्ढा को रोमांचक फाइनल में 10-8 से हराकर अखिल भारतीय स्नूकर ओपन खिताब जीत लिया। देश के बेहतरीन क्यू खिलाड़ियों के बीच हुए 'बेस्ट ऑफ 19 फ्रेम' के फाइनल में कुछ तनावपूर्ण और रोमाचंक पल देखने को मिले। बड़ी संख्या में मौजूद क्यू प्रशंसकों ने मुकाबले का काफी लुत्फ उठाया। इशप्रीत ने पहला फ्रेम 67 से जीतकर 1-0 की बढ़त बनायी पर आडवाणी ने वापसी करते हुए लगातार चार फ्रेम 79, 82, 73, 86 से जीतकर 4-1 से बढ़त हासिल की। इशप्रीत ने 133 और 53 के फ्रेम जीतकर अंतर 3-4 कर दिया। लेकिन क्यू खेल के महान खिलाड़ी आडवाणी ने नौवें फ्रेम तक जीत हासिल कर 6-3 से बढ़त बनायी। 27 विश्व खिताब और कई राष्ट्रीय खिताब जीत चुके आडवाणी अगले पांच फ्रेम गंवा बैठे। पूर्व राष्ट्रीय 15 रेड और 6 रेड चैम्पियन इशप्रीत इस तरह 8-7 से बढ़त बनाये थे। फिर आडवाणी ने लगातार तीन फ्रेम में 68 और 116 के बाद 144 के सबसे बड़े ब्रेक से 10-8 से जीत हासिल की।

शमी की तरह गेंदबाजी करने उनके वीडियो देख रहे इंग्लैंड के रॉबिंसन

अबुधाबी। इंग्लैंड की टीम अब भारत के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी तैयारियों में लगीं हैं। भारत में बेहतर प्रदर्शन के लिए टीम के गेंदबाज भी अपनी ओर से प्रयासों में लगे हैं। इसी कड़ी में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज ओली रॉबिंसन ने कहा है कि शमी गेंद की सीम का बहुत अच्छी तरह से इस्तेमाल करते हैं और हम भी यही प्रयास कर रहे हैं, इसलिए उनके वीडियो देख रहे हैं। इंग्लैंड की टीम अभी अबुधाबी में भारत जैसे हालातों को देखते हुए अभ्यास में लगी है। दोनो ही टीमों के बीच पहला टेस्ट 25 जनवरी से हैदराबाद में शुरु होगा। भारत के खिलाफ 2021 की श्रृंखला में नेट गेंदबाज रहे रॉबिंसन को उम्मीद है कि वह इस सीरीज में अहम भूमिका निभा सकेंगे। रॉबिंसन ने कहा कि मैं वास्तव में मोहम्मद शमी की तरह सीधी सीम से गेंदबाजी करने का अभ्यास कर रहा हूं। वह भारत के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक है। इसके अलावा मैंने इशांत शर्मा को भी गेंदबाजी करते हुए देखा है। वह ससेक्स की तरफ से कुछ समय के लिए खेला है और उसने लंबे समय तक भारत की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया है। वह भी मेरी तरह लंबे कद का है। इस इस गेंदबाज का मानना है कि भारतीय विकटों पर चुनौती अलग प्रकार की होगी। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि आप नहीं जानते कि आप किस तरह की तैयारी कर रहे हैं। यह एक तरह की चुनौती है जिससे मेरा पहले कभी सामना नहीं हुआ है। साथ ही कहा कि इस दौरे में हालातों से तालमेल बिठाना मेरे लिए सबसे अहम होगा। आपको पिच देखकर ही हालातों का आंकलन करना होगा।

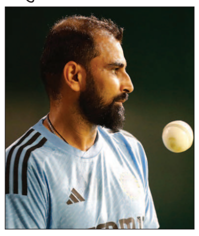

रणजी ट्रॉफी में भी विफल रहे रहाणे, टीम इंडिया में वापसी की संभावनाएं समाप्त

मुम्बई (एजेंसी)। बल्लेबाज आजिंक्य रहाणे की भारतीय टीम में वापसी की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। रहाणे रणजी ट्रॉफी में भी विफल रहे हैं। मुम्बई की ओर से खेलते हुए वह लगातार दो बार पहली ही गेंद पर आउट हुए हैं। रहाणे को उम्मीद थी कि वह रणजी में बेहतर प्रदर्शन कर इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के लिए अपना दावा पेश करेंगे पर उनका ये प्रयास भी विफल हो गया। चयनकर्ताओं ने इंग्लैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है जिसमें उन्हें शामिल नहीं किया गया है। ऐसा नहीं है कि रहाणे को अवसर न मिले हों पिछले साल ही उनको चयनकर्ताओं ने वापसी का मौका दिया था और टीम का उप कप्तान भी बनाया था पर वह उसका लाभ नहीं उठा पाये। रहाणे वापसी वाले मुकाबले में रन बनाने में विफल रहे। इसके बाद उन्हें बाहर कर दिया गया था। टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद रहाणे के पास घरेलू क्रिकेट में रन बनाकर वापसी करने का अवसर था जिसे भी उन्होंने खो दिया है। रणजी ट्रॉफी के इस सत्र में वह बिहार के खिलाफ सत्र के पहले मैच में खेलने नहीं उतरे और उसके बाद आंध्र प्रदेश और केरल के खिलाफ विकेट के पीछे लगातार दो मैचों में खाता भी नहीं खोल पाये थे। ऐस में रहाणे की इंग्लैंड के खिलाफ वापसी भी इसलिए संभव नहीं है क्योंकि चयनकर्ताओं के पास हर स्थान के लिए युवा खिलाड़ी उपलब्ध हैं और इसलिए वह टीम में बदलाव नहीं करना चाहेंगे।

एक फरवरी को होगा मेसी और रोनाल्डो की टीमों का मुकाबला

फोर्ट लॉडरडेल। अगले साल फुटबॉल प्रशंसकों को लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीमें के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। मेसी की टीम सउदी अरब में रियाद में सीजन कप खेलेगी। इसमें उसका मुकाबला रोनाल्डो की टीम अल नासर से एक फरवरी को होगा। सउदी प्रो लीग में ये दोनों क्लब शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं इंटर मियामी के खेल निदेशक क्रिस हेंडरसन ने कहा, 'इन मैचों से हमें नये सत्र के लिए तैयारी में सहायता मिलेगी। अल हिलाल के खिलाफ हमें अपनी क्षमताओं के आंकलन का अवसर मिलेगा। मेसी और रोनाल्डो क्लब के बीच अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 35 बार मुकाला हुआ है। इसमें से मेसी की टीम ने 16 और रोनाल्डो की टीम ने 10 मैच जीते हैं। इन मैचों में मेसी ने 21 गोल किए जबकि 12 गोल करने में उन्होंने सहायता की। रोनाल्डो ने 20 गोल किए और एक में उनकी भूमिका रही। मेसी और रोनाल्डो के बीच बार्सीलोना और रीयाल मैड्रिड की ओर से खेलते हुए कई बार मुकाबला हुआ है।

बाउंसरों की तादाद बढ़ने से गेंद और बल्ले के बीच प्रतिस्पर्धा संतुलित होगी : उनादकट

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल 2024 में इस बार गेंदबाज दो बाउंसर फेंक सकेंगे। तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने कहा है कि आईपीएल के 17 वें सत्र में नये नियम लाने से गेंदबाजों को लाभ मिल सकता है। इस नये नियम के तहत फेंके जाने वाले बाउंसरों की तादाद बढाई जा सकती है। इसका लक्ष्य बल्ले और गेंद के बीच प्रतिस्पर्धा को संतुलित बनाने का प्रयास माना जा रहा है। नये नियम के तहत बाउंसरों की संख्या को एक से बढ़ाकर दो किया जा सकता है। वहीं अभी के नियम के मुताबिक एक गेंदबाज एक से ज्यादा बाउंसर नहीं डाल सकता है। अगर वह ऐसा करता है तो इस गेंद को नो बॉल करार दिया जाता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दौरान इस नये नियम का ट्रायल किया गया था। इसके तहत मुश्ताक अली ट्रॉफी में गेंदबाजों को दो बाउंसरों की अनुमति मिली थी। उनादकट ने नए नियम का स्वागत करते हुए भविष्यवाणी की कि इससे गेंदबाजों को अतिरिक्त लाभ मिलेगा।

उनादकट ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा, मुझे लगता है कि एक ओवर में दो बाउंसर बहुत फायदेमंद होते हैं और मुझे लगता है कि यह उन चीजों में से एक है जो गेंदबाज को बल्लेबाजों पर अतिरिक्त फायदा देता है। एक बाउंसर के नियम के दौरान बल्लेबाज को पता था कि कोई और बाउंसर अब नहीं आएगा। इस मामले में, भले ही आप ओवर के पहले भाग में एक धीमी बाउंसर फेंकते हैं, फिर भी आप एक और बाउंसर से बल्लेबाज को परेशानी में डाल सकते हैं। ऐसे में बल्लेबाजों को मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। उनादकट का कहना है कि इससे गेंदबाजों को यॉर्कर और धीमी गेंदों के अलावा डेथ ओवरों में एक और विकल्प मिलेगा।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में ऑस्ट्रेलियाई टीम की बढ़त बरकरार

मुम्बई। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली बड़ी जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपना नंबर एक स्थान बनाये रखा है। इस जीत से ऑस्ट्रेलियाई टीम अब अन्य टीमों के मुकाबले अंकों के मामले में और बेहतर स्थिति में पहुंच गयी है। वहीं दूसरे नंबर पर चल रही भारतीय टीम के पास अपनी रैंकिंग बेहतर करने का अवसर 25 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में रहेगा। ऑस्ट्रेलिया ने पाकिस्तान को हराने के अब वेस्टइंडीज के खिलाफ भी टेस्ट सीरीज में शानदार शुरुआत की है। ऑस्ट्रेलिया ने दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट को केवल तीन दिन के अंदर ही जीत लिया था। इस जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम के अंक और बढ़ गये हैं। वहीं भारत के साथ उसके अंकों का अंतर भी बढ़ गया है। बीच अंकों का काफी फासला आ चुका है. अभी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में ऑस्ट्रेलिया की टीम शीर्ष पर है। उसने अब तक खेले अपने 9 मुकाबलों में से 6 जीते हैं। इस प्रकार 61 फीसदी जीत के साथ टीम ने नंबर एक पर अपनी पकड़ बनाये हुए हैं। वहीं भारत ने 4 में से 2 टेस्ट जीते हैं और 54 फीसदी जीत के साथ दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका की टीम तीसरे जबकि न्यूजीलैंड चौथे स्थान पर है।

हरभजन सिंह बोले-जिसे जो करना है करे, मैं तो राम मंदिर जाउंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को लेकर कई राजनैतिक दलों की अलग-अलग राय है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी समारोह में शामिल होने से इंकार कर दिया है। जबकि उन्ही की पार्टी के राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह भज्जी ने साफ कह दिया, कि जिसे जो करना करे,मैं तो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होकर रहूंगा।

जबकि प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का न्योता दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को भी भेजा गया है। हालांकि, वह इस दिन आयोजन में शामिल होने से मना कर दिया है। उन्होंने अपने एक बयान में कहा कि वो 22 जनवरी के बाद अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मेरे माता-पिता भी अयोध्या जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि राम जन्म भूमि ट्रस्ट की ओर से उन्हें केवल एक पत्र प्राप्त हुआ है। सुरक्षा के मद्देनजर वहां 22 जनवरी को एक आमंत्रण पर केवल एक या दो लोगों को जाने की इजाजत है। ऐसे में मैंने 22 जनवरी के बाद अपने पूरे परिवार के साथ अयोध्या जाने का फैसला किया है। कांग्रेस द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के निमंत्रण को अस्वीकार करने पर पूर्व क्रिकेटर ने कहा, यह हमारा सौभाग्य है कि हमारे दौर में ये मंदिर बन रहा है इसलिए हम सभी को जाकर आशीर्वाद लेना चाहिए। कोई भी पार्टी जाए या न जाए मैं जरूर जाऊंगा।उन्होंने एक कदम आगे बढ़ते हुए यहां तक कहा कि, अगर किसी को मेरे राम मंदिर जाने से दिक्कत है, तो उन्हें जो करना है वो करे। मैं तो जरूर जाऊंगा। आपको बता दें कि हरभजन ने अयोध्या में 22 जनवरी को हो रहे श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। हरभजन ने कहा, 22 जनवरी को मैं चाहूंगा कि ज्यादा से ज्यादा लोग इस कार्यक्रम से जुड़ें। टीवी के माध्यम से हो या वहां जाकर, लोग राम लला का आशीर्वाद लें क्योंकि ये ऐतिहासिक दिन है। भगवान राम सभी के हैं और उनके जन्मस्थान पर मंदिर बन रहा है। यह बहुत बड़ी बात है। मैं अयोध्या जरूर जाऊंगा। मैं बहुत धार्मिक व्यक्ति हूं। मैं हर मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे में प्रार्थना करता हूं। जब भी मौका मिलेगा मैं जरूर जाऊंगा।

लैंगर ने राहुल की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स के कोच जस्टिन लैंगर ने बल्लेबाज केएल राहुल की जमकर तारीफ की है। लैंगर ने राहुल को अच्छा दिखने वाला खिलाड़ी बताया। राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान भी हैं। लैंगर ने कहा कि अपनी टीम के लिए राहुल जैसा कप्तान मिलने से भी वह अपने को भाग्यशाली मानते हैं। लैंगर ने कहा कि जब वह ऑस्ट्रेलियाई कोच तब भारतीय टीम के खिलाफ मैच में वह तब तक आराम नहीं करते थे जब तक कि राहुल आउट न हो जायें। साथ ही कहा कि राहुल जितने अच्छे दिखते हैं उनकी बल्लेबाजी भी उतनी ही अच्छी है। लैंगर ने कहा कि राहुल स्पिन और गति से मुकाबले में भी समान रूप से अच्छे हैं। उनके पास काफी लंबा अनुभव भी है। वह मैदान के दोनों तरफ खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को समान रुप से अच्छी तरह से खेलते हैं। मैं वास्तव में आभारी हूं कि मुझे ऐसा कप्तान मिला है।

जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का शीघ्र निस्तारण करें: कलेक्टर सूरत

सूरत।
जन सरोकार के मामलों पर जन प्रतिनिधियों द्वारा जिला समन्वय एवं शिकायत निवारण समिति को अभ्यावेदन दिये जाते हैं. सूरत कलेक्टर आयुष ओक ने कहा कि संबंधित विभाग ऐसे अभ्यावेदनों का शीघ्रता से निस्तारण करें.

सूरत कलक्ट्रेट में आयोजित जिला समन्वय समिति की बैठक में कलेक्टर ने प्रतिनिधियों और अधिकारियों के समन्वय के माध्यम से लोगों की समस्याओं को हल करने को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

विधायक सर्वश्री मनुभाई पटेल, श्री संदीपभाई देसाई और श्रीमती संगीताबेन पाटिल द्वारा कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की गई है, बावजूद इसके काम नहीं होने से यातायात की समस्या उत्पन्न हो रही है, कलेक्टर ने इस मामले को गंभीरता से लिया है, तत्काल नगर निगम, मेट्रो रेल उन्होंने कहा कि परियोजना एवं पुलिस विभाग की संयुक्त बैठक बुलाकर उचित समाधान निकाला जायेगा.

बैठक में उधा विधायक श्री मनुभाई पटेल के उधा क्षेत्र में हाईटेंशन लाइन को भूमिगत करने के प्रस्ताव पर जेटको के अधिकारी श्री पटेल ने कहा कि नगर पालिका के सहयोग से कार्य प्रगति पर है. उन्होंने सिटी बसों में यातायात नियमों का पालन करने, दुकानों में कूड़ादान रखने तथा नगर निगम अधिकारी को आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। विधायक ने कहा कि उधना क्षेत्र में प्रॉपर्टी कार्ड बनाने को लेकर कलेक्टर ने दूसरी एजेंसी को काम सौंपा है।

लिंबायत विधायक श्रीमती संगीताबेन पाटिल ने कहा कि जिस विभाग के प्रश्न होते हैं, उस विभाग के अधिकारी बैठक में उपस्थित नहीं रहते और शिकायतों का समाधान नहीं हो पाता, कलेक्टर ने समन्वय बैठक में अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों को नोटिस देने के भी निर्देश दिये.

चोर्यासी विधायक श्री संदीपभाई देसाई ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा समय पर मंजूरी नहीं मिलने के कारण सचिन क्षेत्र की पेयजल योजना में देरी हो रही है, कलेक्टर ने अधिकारियों को मौके का दौरा करने और आज ही समस्या का समाधान करने को कहा।

साथ ही विधायक संदीपभाई ने कहा कि मार्च 7/12 में सिंचाई विभाग द्वारा 50 किसानों पर बोझ डाला गया है, जिसके संबंध में जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को किसानों से वार्ता कर उचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया.

बारडोली के विधायक ईश्वरभाई परमार ने जनता के प्रतिनिधि के रूप में कहा कि लोगों की समस्याओं का समय पर समाधान किया जाना चाहिए. बारडोली में राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय के लिए स्थान आवंटन के संबंध में कलेक्टर ने तत्काल प्रांतीय अधिकारी को निर्देश दिए कि एक सप्ताह के भीतर सर्वे कर स्थान आवंटन की कार्रवाई करें। राजमार्ग प्राधिकरण धुलिया राष्ट्रीय राजमार्ग पर निकटवर्ती पलसाना और बारडोली तालुका के लोगों के लिए एक सर्विस रोड के निर्माण के लिए कार्रवाई करने पर सहमत हुआ। विधायक ने अपने गांव में पीएनजी गैस लाइन, एक्सप्रेस हाईवे के कारण किसानों को होने वाली समस्याओं जैसे मुद्दे उठाए। मोहिनी ग्राम पंचायत में जल निकासी की समस्या, संबंधित विभागों ने कम करने का दिया आश्वासन।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने पेंशन प्रकरणों के निस्तारण, नागरिकों द्वारा किये गये आवेदनों, बकाया पत्रावलियों के निस्तारण के संबंध में विस्तार से समीक्षा करते हुए उपरोक्त मामलों का निस्तारण समय सीमा के अन्दर हो इसके प्रति सचेत रहने को कहा। इसके अलावा सरकारी ऋण की वसूली पर चर्चा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि सरकारी ऋण की वसूली में तेजी लाना बहुत जरूरी है. इसके अलावा उन्होंने समन्वय समिति के अन्य मुद्दों की भी विस्तृत समीक्षा की।

मांडवी के मोरीथा गांव में जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया

सूरत। राज्य के प्रशासन में पारदर्शिता बढ़ाने और विभिन्न योजनाओं का व्यक्तिगत लाभ घर बैठे प्राप्त करने के लिए जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में मांडवी तालुक के मोरीथा गांव में नौवें चरण का आयोजन किया गया. सेवा सेतु कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें मंत्री के हाथों विभिन्न लाभुकों को हाथों-हाथ सहायता एवं लाभ दिया गया।

इस मौके पर मंत्री कुंवरजीभाई हलपति ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्रभाई मोदी और मुख्यमंत्री भूपेन्द्रभाई पटेल की दूरदर्शी सोच के तहत गुजरात ने प्रगति की है. सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए प्रशासन आज आपके द्वार आया है। सेवा सेतु के दरवाजे पर 56 विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाया जा सकता है। आयुष्मान भारत कार्ड के तहत रु. 10 लाख तक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करायी गयी है. ग्राम मोरीठा में 1314 लाभार्थियों को आयुष्मान भारत कार्ड देकर लाभान्वित किया गया है। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी।

सेवा सेतु के माध्यम से राज्य के दूरदराज के हिस्सों के लोगों को आराम पहुंचाने के लिए राज्य सरकार के दृढ़ संकल्प को व्यक्त करते हुए मंत्री ने आगे कहा कि सरकार ने लोगों को पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और सड़क की बुनियादी सुविधाएं प्रदान की हैं। राज्य के दूरस्थ भाग.

मंत्री ने कहा कि इसके अलावा, प्रस्तावित सेवा सेतु विधवा सहायता, जन्म-मृत्यु रिकॉर्ड, आयुष्मान कार्ड, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सुविधाएं आदि एक ही स्थान पर प्रदान करने के लिए सुशासन का एक बड़ा उदाहरण होगा। मंत्री ने मोरीठा गांव स्थित सत केवल मंदिर परिसर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया. साथ ही गणमान्य लोगों समेत सभी ने स्वच्छता ही सेवा के तहत %प्लास्टिक हटाओ, धरती बचाओ, जीवन बचाओ% का संकल्प लिया.

इस अवसर पर सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेशभाई चौधरी, संगठन मंत्री दिनेशभाई पटेल, मामलतदार मनीषभाई पटेल, जिला पंचायत के अधिकारी, जिला पंचायत सदस्य, सरपंच, आंगनवाड़ी और सखी मंडल की बहनें, ग्रामीण उपस्थित थे।

जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति ने मोरीथा गांव में मांडवी नदी तट स्थित रामजी मंदिर और सत केवल मंदिर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया

सूरत। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से प्राण के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 14 से 22 जनवरी-2024 तक देशभर के सभी छोटे-बड़े पूजा स्थलों की साफ-सफाई के लिए सार्वभौमिक सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य मंदिर की प्रतिष्ठा. इसके तहत जनजातीय विकास राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति ने मांडवी तालुका के मोरीथा गांव में मांडवी नदी तट पर स्थित रामजी मंदिर और सत केवल मंदिर और मंदिर परिसर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया।

इस मौके पर मंत्री ने भगवान की पूजा-अर्चना की और राज्यवासियों की सुख, शांति और खुशहाली की कामना की. उन्होंने राममय हुए सूरत जिले सहित देशभर के सभी छोटे-बड़े मंदिरों को स्वच्छ रखने का अनुरोध किया। जनजातीय मंत्री ने नागरिकों से स्वच्छता अभियान को व्यापक बनाने, सभी धार्मिक स्थलों को हर समय स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने के साथ ही मंदिरों एवं उनके आसपास गंदगी न फैलाने की पुरजोर अपील की।

मांडवी में सफाई अभियान में मांडवी नगर पालिका अध्यक्ष निमेशभाई शाह, उपाध्यक्ष संध्याबेन चौधरी, एसोसिएशन अध्यक्ष नितिनभाई शुक्ला, नगर पालिका मुख्य अधिकारी पूर्वीबेन पटेल, कार्यकारी अध्यक्ष किरीटभाई पटेल और स्थानीय शहरवासी और मोरीथा गांव के सरपंच एसो. अध्यक्ष कमलेशभाई चौधरी, संगठन मंत्री दिनेशभाई पटेल, मामलतदार मनीषभाई पटेल, सरपंच, पदाधिकारी सहित ग्रामीण शामिल हुए।

केंद्रीय रेल राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने सूरत के गोपीपुरा पुराणिक अंबाजी मंदिर की सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया

सूरत।
अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के पावन पर्व के सिलसिले में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से देश भर के सभी छोटे-बड़े पूजा स्थलों की साफ-सफाई के लिए सार्वभौमिक सफाई अभियान चलाने का आह्वान किया है. 14 से 22 जनवरी-2024 तक। केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने 500 साल पुराने पौराणिक अंबाजी मंदिर की सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया। लोककथा है कि मां अम्बा स्वयं इस मंदिर में प्रकट हुई थीं। केंद्रीय मंत्री ने धार्मिक स्थलों के आसपास सफाई करने वाले सफाई कर्मियों, सफाई रखने वाले नगर निगम के अधिकारियों को फूल देकर सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया.

उन्होंने श्री महादेव और हनुमानजी के दर्शन कर देश की शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की। मंत्री ने कहा, "मंदिर साफ होगा तो नजारा खूबसूरत होगा." मंत्री ने कहा, तीर्थस्थलों में ध्यान, प्रार्थना और सत्संग के लिए उपयुक्त माहौल बनाने के लिए सफाई बहुत जरूरी है। अत: सभी नागरिकों ने धार्मिक स्थलों को साफ-सुथरा रखने का अनुरोध किया। पांच सौ वर्षों की प्रतीक्षा के बाद जब भगवान राम अयोध्या नगरी में आ रहे हैं, तो श्री राम ने आगमन का स्वागत किया और सभी नागरिकों से प्रधान मंत्री के तीर्थस्थलों की सफाई के आह्वान के बाद पवित्र तीर्थस्थलों को साफ-सुथरा रखने की अपील की।

इस अवसर पर विधायक श्री किशोरभाई राणा, नगरसेवक, नगर निगम अधिकारी और स्थानीय नागरिक, भावी भक्त उपस्थित थे।

वेलस्पन फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया

वापी।
जनवरी के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय गणित दिवस मनाने के लिए वेलस्पन फाउंडेशन और प्रथम फाउंडेशन के सहयोग से अंजार और वापी में एक मेगा गणित मेला आयोजित किया गया था। यह मेगा गणित मेला गणित पर प्राथमिक ध्यान केंद्रित करते हुए आयोजित किया गया था। इस पहल का उद्देश्य समाज के व्यापक वर्ग की व्यापक स्तर की भागीदारी के साथ स्कूलों में समझ, अच्छी गुणवत्ता वाली गणित शिक्षा के माध्यम से सीखने को बढ़ावा देना और लोकप्रिय बनाना है, जहां छात्र सक्रिय रूप से विभिन्न गणित-आधारित शिक्षण गतिविधियों में संलग्न होते हैं और प्रदर्शन करते हैं। इस गणित मेले में लगभग 10 प्राथमिक विद्यालयों, 800 से अधिक विद्यार्थियों, 150 अभिभावकों और 50 शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जिसमें गणित एवं विज्ञान के 75 कार्य प्रस्तुत किये गये हैं जो एस.एम.सी. सदस्य, अभिभावक, श्री संगीताबेन सरपंच, अंजार नगर पालिका शिक्षा समिति के अध्यक्ष श्री बलरामभाई जेठवा, उपाध्यक्ष तेजसभाई मेहता, नगरपालिका अधिकारी जयेशभाई पिथडिया, वेलस्पन फाउंडेशन से आसिफ खान, अवनी श्रीवास्तव और वीणाबेन जोशी, अंजार तालुका प्राथमिक शिक्षा अधिकारी उमेश साहब, प्रथम फाउंडेशन टीम के साथ जिला प्राथमिक शिक्षा निरीक्षक रावजीभाई माहेश्वरी, स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षक और वेलस्पन परिवार से बनीमंजोरी घोष, गीता आर्य, श्रावस्ती सामंत्रे और पार्वती शर्मा आदि उपस्थित थे।

इस आयोजन ने छात्रों को कई गणित गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया, जो शैक्षणिक उत्साह को बढ़ावा देने और इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभवों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को उजागर करता है। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया। यह पहल समग्र सामुदायिक विकास और शैक्षिक सशक्तिकरण के प्रति वेलस्पन फाउंडेशन के समर्पण के प्रमाण के रूप में कार्य करती है।

जिला सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक हुई

सूरत। सूरत कलेक्टर कार्यालय के हॉल में सूरत जिले के क्षेत्रीय यातायात अधिकारी एएम पटेल की उपस्थिति में जिला सड़क सुरक्षा परिषद की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग, यातायात विभाग, सड़क एवं भवन विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग शहरी विकास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग द्वारा किये जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए वर्ष 2024-25 के लिए कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया. इसके अलावा उन्होंने सड़क सुरक्षा माह मनाये जाने की जानकारी देते हुए सभी विभागों से सड़क सुरक्षा माह मनाये जाने में शामिल होने का आह्वान किया।

इसके अलावा बैठक के दौरान कार्य क्षेत्र यातायात प्रबंधन, गलत साइड ड्राइविंग और जिले में नवनिर्मित सड़कों पर वाहनों द्वारा तेज गति पर नियंत्रण पर भी विस्तार से चर्चा की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुनहरे घंटों के दौरान घायलों को उपचार प्रदान करने के लिए ब्लैकस्पॉट और दुर्घटना-संभावित सड़कों/क्षेत्रों के पास 108 एम्बुलेंस की पर्याप्त सुविधाओं की भी समीक्षा की गई।

साथ ही, संबंधित विभागों से पिछले वर्ष के दौरान सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रदर्शन रिपोर्ट गुजरात सड़क सुरक्षा परिषद को सौंपने के लिए एक रिपोर्ट तैयार करने और इसे सूरत आरटीओ कार्यालय को भेजने का अनुरोध किया गया था।

"द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल रामोत्सव शोभा यात्रा"

सूरत।
वहीं सोमवार 22/01/2024 को अयोध्या में भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण के साथ पवनपुत्र हनुमान अयोध्या आ रहे हैं। इसके समकक्ष "द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल" अडाजण में "द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल रामोत्सव शोभा यात्रा" का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र ने राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान, जटायु, रावण जैसे पात्रों की "शोभा यात्रा" का प्रदर्शन किया। इस शोभा यात्रा में 2000 से अधिक छात्र, 450 से अधिक शिक्षक और लगभग 500 से अधिक अभिभावकों ने भाग लिया और "द रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल रामोत्सव शोभा यात्रा" का गौरव बढ़ाया। यह शोभा यात्रा करीब 2 किलोमीटर लंबी थी। इस शोभा यात्रा का जनता ने हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया। वहीं स्कूल के उपाध्यक्ष जिग्नेशभाई मांगूकिया और प्रबंध निदेशक किशनभाई मांगूकिया ने धर्म विद्यार्थी का पहला कर्तव्य है, इस संदेश के साथ स्कूल परिसर में शोभा यात्रा पूरी की।

सैमसंग ने Samsung.com, सैमसंग शॉप ऐप और सैमसंग एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर ग्रैंड रिपब्लिक डे सेल की घोषणा की है

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने गैलेक्सी स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट, वियरेबल्स, सैमसंग टीवी और अन्य डिजिटल उपकरणों जैसे विभिन्न सैमसंग उत्पादों पर बंपर ऑफर और कैशबैक के साथ अपनी ग्रैंड रिपब्लिक सेल शुरू की है। ये ऑफर Samsung.com, Samsung शॉप ऐप और Samsung एक्सक्लूसिव स्टोर्स पर उपलब्ध होंगे। उपभोक्ता एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई, एएक्सआई और अन्य प्रमुख बैंकों के डेबिट और क्रेडिट कार्ड पर 22.5% तक कैशबैक (25000 रुपये तक) का लाभ उठा सकते हैं।

बोनान्ज़ा सेल के दौरान, ग्राहक गैलेक्सी ए सीरीज़, एम सीरीज़, एफ सीरीज़, एस सीरीज़ और गैलेक्सी ज़ेड सीरीज़ के शुरुआती मॉडलों के चुनिंदा मॉडलों पर 57% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, ग्राहकों को नवीनतम गैलेक्सी एस24 सीरीज स्मार्टफोन की प्री-बुकिंग पर आकर्षक ऑफर भी मिलेंगे। ग्रैंड रिपब्लिक डे सेल के तहत, ग्राहक गैलेक्सी एस23 को मात्र रुपये में प्राप्त कर सकते हैं। 54999 से प्राप्त किया जा सकता है। जो ग्राहक गैलेक्सी लैपटॉप जैसे गैलेक्सी बुक गो, गैलेक्सी बुक3 और गैलेक्सी बुक 3 प्रो खरीदते हैं, वे 46% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं और जो ग्राहक चुनिंदा गैलेक्सी टैबलेट, वियरेबल्स और एक्सेसरीज़ खरीदते हैं, वे 50% तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

सैमसंग टेलीविजन के प्रीमियम और लाइफस्टाइल मॉडल खरीदने वाले उपभोक्ता रु। 48% तक अतिरिक्त एक्सचेंज लाभ के साथ 15250। जो उपभोक्ता नियो क्यूएलईडी खरीदते हैं और क्यूएलईडी मॉडल चुनते हैं, उन्हें निम्नलिखित में से एक से एक गारंटीकृत विशेष उपहार भी मिलेगा - जिसमें रुपये का गैलेक्सी एस 23 अल्ट्रा भी शामिल है। 124990 या रु. 69990 में 50" सेरिफ़ टीवी या 38990 रुपये (Q700C/C450) साउंडबार शामिल है। सेल के दौरान रेफ्रिजरेटर जैसे सैमसंग डिजिटल उपकरण खरीदने वाले ग्राहकों को रेफ्रिजरेटर के चुनिंदा मॉडलों पर 52त्न तक की छूट मिलेगी। कंज्यूमर चॉइस मॉडल पर रु. 15125 एक्सचेंज लाभ का भी लाभ उठा सकते हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)